बापू की बातें

कोई भी मुझसे शास्त्र के प्रमाण देकर असत्य को सत्य, कठोरता को दया और वैरभाव को प्रेम नहीं मनवा सकता। इसलिए और इस अर्थ में मैं मूर्तिभंजक हूँ। कोई मुझे द्वयर्थी या क्षेपक श्लोक उद्धृत करके अथवा धमकी देकर अंत्यजों का तिरस्कार या त्याग करना या उनको अस्पृश्य मानना नहीं सिखा सकता और इसलिए मैं अपने को मूर्तिभंजक मानता हूँ। मैं माँ-बाप की अनीति को भी अनीति की तरह देख पाता हूँ और इस देश पर अथाह प्रेम होते हुए भी इसके दोषों को देखकर उन्हें सबके सामने रख सकता हूँ और इसलिए मैं मूर्तिभंजक हूँ।

(03.05.1925: नवजीवन में प्रकाशित टिप्पणियों का अंश : सं.गां.वां. खंड 27 : पृष्ठ 22)

दैनिक सीहोर जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | सीहोर जिले, होशंगाबाद संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-23 अंक-68 सीहोर, बुधवार 29 अप्रैल 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

बंगाल चुनाव : दूसरे एवं अंतिम चरण में 142 सीटों पर वोटिंग आज

सभी मतदान केंद्रों पर केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की तैनात

कोलकाता, (ए.)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण के अंतर्गत राज्य की 142 विधानसभा सीटों के लिए बुधवार को मतदान होगा। अंतिम चरण में राजधानी कोलकाता के अलावा उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना, हावड़ा, हुगली, नदिया और पूर्व बर्धमान जिलों में मतदान कराए जाएंगे। इस चरण में एक हजार 448 उम्मीदवार मैदान में हैं। तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस ने सभी 142 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 141 सीटों पर चुनाव लड़ रही है।

चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, दूसरे चरण के लिये एक हजार 463 नामांकन प्राप्त हुए। इनमें 15 लोगों का नामांकन रद्द कर दिया गया है। दक्षिण 24 परगना के भांगड़ विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक 19 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि सबसे कम पांच उम्मीदवार हुगली की गोघाट (एससी) सीट पर चुनाव लड़ रहे हैं। इस चरण में सात जिलों के कुल तीन करोड़ 21 लाख73 हजार 837 मतदाता अपने

मताधिकार का प्रयोग करेंगे, जिनमें एक करोड़ 64 लाख 35 हजार 627 पुरुष तथा एक करोड़ 57 लाख 37 हजार 418 महिला मतदाताओं के अलावा 792 तृतीय लिंग के मतदाता शामिल हैंइस चरण में कोलकाता की भवानीपुर विधानसभा सीट पर सबकी नजरें टिकी है जहां से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का मुकाबला नेता प्रतिपक्ष एवं भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवार शुभेंदु अधिकारी से है। वर्ष 2021 के चुनाव में नंदीग्राम में दोनों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ था, जिसमें शुभेंदु अधिकारी ने जीत दर्ज की थी। शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिये चुनाव आयोग ने व्यापक इंतजाम किए हैं। लगभग सभी मतदान केंद्रों पर केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई है और संवेदनशील व अति-संवेदनशील बूथों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। वेबकास्टिंग, सीसीटीवी निगरानी और लगातार फ्लैग मार्च के जरिए शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने की कोशिश की जा रही है।चुनाव आयोग सूत्रों के अनुसार, सबसे अधिक उत्तरी 24 परगना जिले में कुल 507 कंपनियां तैनात की जा रही हैं। उत्तर 24 परगना के बारासात पुलिस जिले में 112 कंपनी की तैनाती की जा रही हैं, जबकि बनगांव जिले में 62 कंपनी बल की तैनाती की जा रही है। इसी तरह अन्य जिलों में भी शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं।

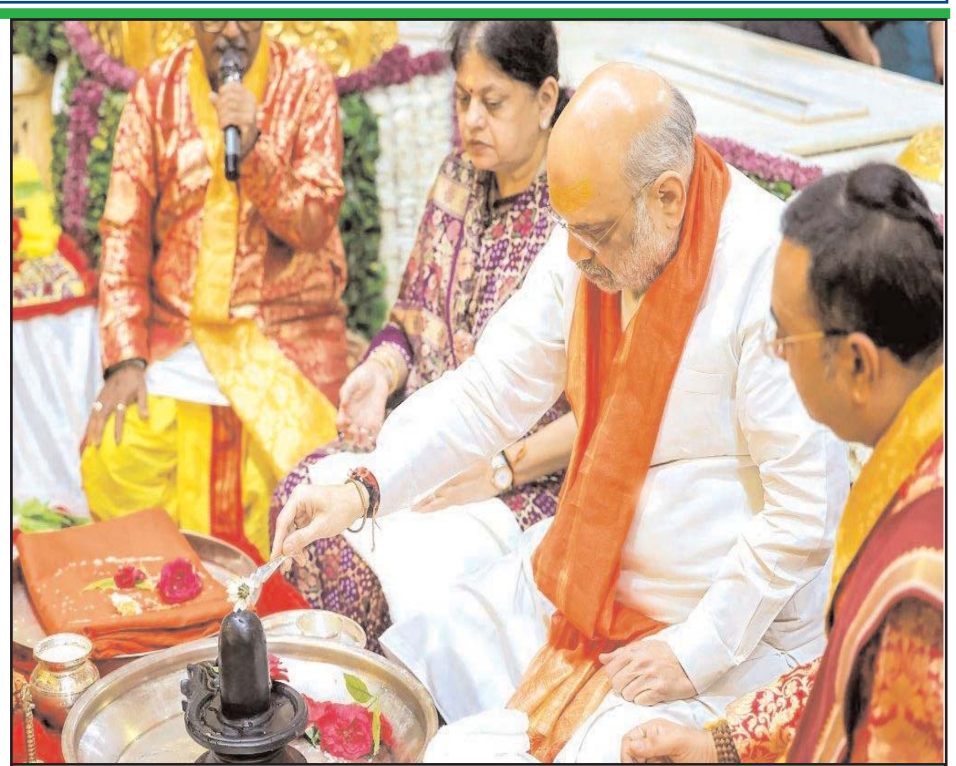

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपनी पत्नी सोनल शाह के साथ गुजरात के गिर सोमनाथ जिले में स्थित सोमनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की।

प्रदेश में बढ़ी गर्मी की तपिश, खजुराहो में 10 साल का रिकॉर्ड टूटा, पारा 46 डिग्री पहुंचा

लू और आंधी-बारिश का अलर्ट

भोपाल, (निप्र) । मध्य प्रदेश इस समय भीषण गर्मी की मार झेल रहा है। खजुराहो में सोमवार को तापमान 46 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिसने पिछले 10 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। छतरपुर जिले का नौगांव प्रदेश का दूसरा सबसे गर्म स्थान दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने मंगलवार के लिए 4 जिलों में लू और 12 जिलों में आंधी-बारिश की चेतावनी जारी की है। तेज गर्मी के बीच मौसम में बदलाव के संकेत भी मिल रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार, 1 मई तक प्रदेश में गर्मी के साथ कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है। यह बदलाव साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ के सक्रिय होने के कारण होगा। साथ ही, 28 अप्रैल से लू के प्रभाव में कुछ कमी आने के आसार हैं। मंगलवार को छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला और बालाघाट जिलों में लू चलने की संभावना जताई गई है। वहीं, ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना और रीवा में गरज-चमक के साथ तेज हवाएं और बारिश हो सकती है बीते सोमवार को प्रदेश के कई शहरों में तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। खजुराहो (46.0 डिग्री) और नौगांव (45.5 डिग्री) के अलावा श्योपुर और दतिया समेत 13 शहरों में पारा 44 डिग्री से ऊपर दर्ज हुआ। राजधानी भोपाल और ग्वालियर में 43.4 डिग्री, इंदौर में 42.0 डिग्री, उज्जैन में 42.4 डिग्री और जबलपुर में 42.7 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया।

मंत्रि-परिषद की बैठक में विकास योजनाओं के लिये 26 हजार 800 करोड़ रुपये की स्वीकृति

मुख्यमंत्री डॉ.यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक में लिए गए निर्णय

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश के सर्वांगीण विकास और जन-कल्याण के लिए 26 हजार 800 करोड़ रुपये से अधिक की महत्वपूर्ण विकास योजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई। प्रदेश के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए लोक निर्माण विभाग की आगामी 5 वर्षों (2026-2031) की विभिन्न निर्माण व नवीनीकरण परियोजनाओं के लिए 26,311 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। सामाजिक न्याय और शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए मंत्रि-परिषद ने पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिये छात्रवृत्ति राशि में ऐतिहासिक वृद्धि कर

इसे 1,550 रुपये से बढ़ाकर 10,000 रुपये प्रतिमाह करने का निर्णय लिया है। इसके अतिरिक्त, ग्रामीण सिंचाई व्यवस्था के लिए लखुंदर सूक्ष्म सिंचाई परियोजना और प्रदेश की 38,901 आंगनवाड़ियों के विद्युतीकरण के लिए महत्वपूर्ण वित्तीय प्रावधान किए गए हैं। चिकित्सा क्षेत्र में विस्तार के लिए भोपाल और रीवा के चिकित्सा महाविद्यालयों के लिए पुनरीक्षित प्रशासनिक स्वीकृतियां भी दी गईं, जो प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं और अधोसंरचना को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप नई ऊंचाई प्रदान करेंगी। मंत्रि-परिषद की बैठक वन्दे मातरम गान से प्रारंभ हुई।मंत्रि-परिषद द्वारा शाजापुर जिले की लखुंदर उच्च दाबयुक्त सूक्ष्म सिंचाई परियोजना लागत राशि 155 करोड़ 82 लाख रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई। लखुंदर उच्च दाबयुक्त सूक्ष्म सिंचाई परियोजना से शाजापुर जिले की शाजापुर तहसील के 17 एवं उज्जैन जिले की तराना तहसील के 7 ग्राम इस तरह कुल 24 ग्रामों के लिए 9 हजार 200 हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। परियोजना अंतर्गत लखुंदर नदी पर शाजापुर जिले में मक्सी के समीप पूर्व से ही निर्मित जलाशय से 24.37 मीट्रिक घन. मीटर जल का उद्वहन कर सिंचाई सुविधा उपलब्ध करायी जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट में धार्मिक प्रथाओं तक पहुंची बहस

-सबरीमाला सहित कई मामलों पर सुनवाई जारी

नई दिल्ली,(ए.)। धार्मिक स्थलों में महिलाओं के प्रवेश और धार्मिक प्रथाओं से जुड़े मुद्दों पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान मंगलवार को अहम बहस देखने को मिली। केरल के सबरीमाला मंदिर समेत विभिन्न धार्मिक स्थलों में महिलाओं के प्रवेश से जुड़े

मामलों पर यह सुनवाई जारी है और आज इसका नौवां दिन रहा।मस्जिद और दरगाहों में महिलाओं के प्रवेश के खिलाफ पक्ष रखते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता निजाम पाशा ने अदालत में कहा कि हिजाब को कोई व्यक्ति धार्मिक रूप से आवश्यक मान सकता है, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं है कि इसे हर संस्थान में अनिवार्य रूप से लागू किया जाए। उन्होंने तर्क दिया कि स्कूलों और अन्य संस्थानों के अपने नियम होते हैं, जो धार्मिक मान्यताओं से अलग हो सकते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि यदि कोई मस्जिद सभी के लिए खुली भी हो, तब भी वहां जाकर अन्य धर्मों की प्रथाएं— जैसे घंटी बजाना या आरती करना, संभव नहीं है, क्योंकि हर धार्मिक स्थल की अपनी मर्यादा और परंपराएं होती हैं।

ईडी ने अनिल अंबानी के रिलायंस समूह से जुड़ी 3,034 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की

नई दिल्ली,(आरएनएस)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कारोबारी अनिल अंबानी के रिलायंस अनिल अंबानी समूह (आरएएजी) के खिलाफ चल रही मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के तहत मंगलवार को नई कार्रवाई की है। केंद्रीय एजेंसी ने समूह का एक फ्लैट, एक फार्महाउस, जमीन के टुकड़े और शेयरों सहित 3,034 करोड़ रुपये की नई संपत्तियों को जब्त कर लिया है। जब्त की गई संपत्तियां रिलायंस आरएएजी की कंपनियों रिलायंस कम्युनिकेशंस और रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड से संबंधित हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईडी ने जो संपत्ति जब्त की है, उसमें मुंबई का एक फ्लैट, खंडाला का एक फार्महाउस, महाराष्ट्र का एक हिल स्टेशन, सानंद (अहमदाबाद) में कुछ जमीन के टुकड़े और रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के 7.71 करोड़ शेयर शामिल हैं। केंद्रीय एजेंसी ने धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत इन संपत्तियों को जब्त करने के लिए एक अस्थायी कुर्की आदेश जारी किया। बता दें कि यह जांच बैंक धोखाधड़ी और धन के गबन के आरोपों पर चल रही है।

ईडी ने आरएएजी के खिलाफ चल रही जांच के मामलों में अब तक कुल 19,344 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त कर ली है।

कोल्हापुर में अमरावती जैसा मामला, 10 लड़कियों का यौन शोषण कर बनाया वीडियो; आरोपी शाहिद गिरफ्तार

नई दिल्ली,(आरएनएस)। महाराष्ट्र के कोल्हापुर में भी अमरावती जैसा मामला सामने आया है। यहां एक 22 साल के युवक शाहिद समीर सनादी पर युवतियों के यौन शोषण का आरोप है। पुलिस ने मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।शाहिद कोल्हापुर की हातकणंगले तालुका का रहने वाला है और फार्मेसी का छात्र है। उनसे कई युवतियों का यौन शोषण कर उनके अश्लील वीडियो बनाए और फिर उन्हें ब्लैकमेल किया। शाहिद ने जब अपने एक करीबी दोस्त को इसके बारे में बताया, तो उसने मामले का खुलासा कर दिया।27 अप्रैल को एक 20 साल की युवती ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। इसमें उसने शाहिद पर यौन शोषण और ब्लैकमेलिंग का आरोप लगाया। अदालत ने शाहिद को 4 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

भोजशाला विवाद: हाई कोर्ट में एएसआई की भूमिका पर उठे सवाल, इंटरवीनर पक्ष का दावा- सर्वे रिपोर्ट संदेहास्पद

इंदौर, (ए.)। मध्य प्रदेश के धार जिला मुख्यालय स्थित ऐतिहासिक भोजशाला विवाद मामले में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ में नियमित सुनवाई सोमवार को जारी रही। इस दौरान भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की भूमिका पर सवाल उठाए गए। एएसआई ने 1998 में पेश जवाब में कहा था कि भोजशाला

मंदिर है या मस्जिद इस बारे में निश्चित तौर पर कुछ भी नहीं कहा जा सकता और अब वही एएसआई भोजशाला को मंदिर बता रहा है।मप्र उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ में जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और जस्टिस आलोक अवस्थी की युगलपीठ में मंगलवार को भोजशाला मामले में हस्तक्षेपकर्ता काजी जकुल्ला की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता शोभा मेनन ने तर्क रखे। लगभग दो घंटे चली सुनवाई के दौरान उन्होंने शोभा मेनन ने सरकार और एएसआई की रिपोर्ट पर गंभीर सवाल उठाते हुए इसे संदेहास्पद बताया।वरिष्ठ अभिभाषक मेनन ने इस मामले में याचिका दायर करने वाले हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस और कुलदीप तिवारी की ओर से पेश की गई दोनों याचिकाओं पर भी सवाल उठाए। उन्होंने हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस को लेकर कहा कि ये ट्रस्ट 2021 में अस्तित्व में आया और वर्ष 2022 में उसने भोजशाला को लेकर जनहित याचिका दायर कर दी। इसी तरह याचिकाकर्ता तिवारी ने याचिका में खुद को सामाजिक कार्यकर्ता बताया है लेकिन उन्होंने क्या समाजसेवा की है।

शंभू रेलवे ट्रैक बम धमाके में चार गिरफ्तार, हथियार व गोला बारूद बरामद

- सीमा पार संचालित आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़, मलेशिया में बैठे हैंडलरों से था लगातार संपर्क

चंडीगढ़, (ए)। पंजाब के शंभू में बीती रात रेलवे ट्रैक पर हुए बम धमाका मामले में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। इसके साथ ही सीमा पार पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी (आईएसआई) के इशारे पर पंजाब में संचालित आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया गया है। डीआईजी ने बताया कि मानसा निवासी परदीप सिंह खालसा, जिला मानसा के बप्पियाना निवासी कुलविंदर सिंह बग्गा, पंजवड़ जिला तरनतारन निवासी सतनाम सिंह सत्ता तथा जिला तरनतारन निवासी गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी को गिरफ्तार किया गया है। इनसे प्रारंभिक पूछताछ में यह भी सामने आया है कि 27 अप्रैल की रात करीब 8:55 बजे इनके साथियों ने शंभू-अंबाला रेलवे मार्ग पर बम विस्फोट कर रेलवे ट्रैक को नुकसान पहुंचाया।

भोपाल-इंदौर हाईवे पर हादसा, पेड़ से टकराई यात्री बस, हेल्पर की मौत

आष्टा, (निप्र.)। मध्य प्रदेश के सीहोर जिले के आष्टा में भोपाल-इंदौर हाईवे पर मंगलवार सुबह एक यात्री बस के पेड़ से टकरा गई। दुर्घटना में बस के हेल्पर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बस में सवार करीब 30 यात्री सुरक्षित बताए जा रहे हैं। घटना पार्वती थाना क्षेत्र के कचनारिया जोड़ के पास सुबह करीब 8 बजे हुई। पार्वती थाना पुलिस के अनुसार, अहमदाबाद से भोपाल आ रही वर्मा ट्रेवल्स की बस आष्टा से लगभग 10 किलोमीटर दूर अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में बस के हेल्पर शाजापुर जिले के पोलाई कला निवासी 35 वर्षीय सुनील मुकाती की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद उनका शव केबिन में बुरी तरह फंस गया, जिसे कटर की मदद से केबिन काटकर बाहर निकाला गया।

शराब सिंडिकेट की मनमानी पर लगाम

शराब दुकानों पर क्यूआर कोड का डिजिटल पहरा

10 दिन तक आबकारी विभाग का विशेष सर्च ऑपरेशन

भोपाल (निप्र)। प्रदेश की मदिरा दुकानों पर हो रही मनमानी वसूली और नियमों के उल्लंघन को रोकने के लिए अब तकनीक और सख्ती करने का निर्णय लिया है। विभाग के संज्ञान में आया है कि कई जिलों में शराब की दुकानों पर न केवल अधिकतम विक्रय मूल्य एमआरपी से अधिक दाम वसूले जा रहे हैं, बल्कि प्रतिस्पर्धा के चलते न्यूनतम विक्रय मूल्य एमएसपी से कम पर भी मदिरा बेची जा रही है। इस गंभीर अनियमितता को विभागीय निर्देशों की खुली अवहेलना मानते हुए आबकारी आयुक्त दीपक सक्सेना ने अब हर मदिरा दुकान पर क्यूआर कोड चस्पा करना अनिवार्य कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था उपभोक्ताओं को सशक्त बनाएगी, जिससे वे मौके पर ही अपने स्मार्टफोन से स्कैन कर ब्रांड की वास्तविक और कानूनी दरों का सत्यापन कर सकेंगे। अब हर मदिरा दुकान पर ई-आबकारी पोर्टल द्वारा जनरेटेड क्यूआर कोड लगाना अनिवार्य है। इसे स्कैन करते ही उपभोक्ता के मोबाइल पर संबंधित जिले की रेट लिस्ट खुल जाएगी। कोई दुकान संचालक यदि निर्धारित एमएसपी से कम या एमआरपी से ज्यादा पर बिक्री करता है, तो मध्यप्रदेश राजपत्र की कंडिका 21.2 एवं 21.3 के तहत उसके विरुद्ध लाइसेंस निरस्तीकरण जैसी कठोर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। उपभोक्ता अब सीधे मौके पर ही रेट का मिलान कर सकेंगे। यह कदम उपभोक्ताओं को पारदर्शी सेवाएं देने की दिशा में एक बड़ा बदलाव है। ई-आबकारी पोर्टल के माध्यम से जिला अधिकारियों को विशेष क्यूआर कोड उपलब्ध कराए गए हैं, जिन्हें दुकानों के प्रमुख हिस्सों पर लगाना होगा। कोई लायसेंसी यदि इन नियमों की अनदेखी करता है या निर्धारित दरों से अलग बिक्री करता पाया जाता है, तो उसे भारी दंड का सामना करना पड़ेगा। मदिरा उपभोक्ताओं को उचित मूल्य पर उत्पाद उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और इसमें किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसी पारदर्शिता को जमीन पर उतारने के लिए प्रदेश भर में 28 अप्रैल 226 से 7 मई 226 तक एक विशेष 1 दिवसीय जांच अभियान चलाया जा रहा है, जिसकी रिपोर्ट 11 मई तक अनिवार्य रूप से तलब की गई है।

पुलिस पहरे के बीच बाइकर्स गैंग ने पिपलानी में दो मोबाइल लूटे

भोपाल (ए.)। राजधानी में पुलिस की नाकेबंदी, सघन पेट्रोलिंग और सुरक्षा के तमाम दावों के बावजूद शहर में लूट की वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला पिपलानी थाना क्षेत्र का है, जहां बेखौफ बाइक सवार बदमाशों ने पुलिस की मुस्तैदी को धता बताते हुए महज कुछ ही घंटों के अंतराल में दो अलग-अलग लूट की वारदातों को अंजाम दिया हैरानी की बात यह है कि लोधी समाज के सम्मेलन के मद्देनजर क्षेत्र में पिछले तीन दिनों से भारी पुलिस बल तैनात है, फिर भी बदमाश बड़ी आसानी से मोबाइल छीनकर फरार हो गए। दोपहर में सुनील साहू से छीना मोबाइलपिपलानी पुलिस के अनुसार, सोमवार दोपहर लूट की पहली घटना घटी। 29 वर्षीय सुनील साहू, जो निजी कार्य करते हैं, दोपहर के समय किसी काम से जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आए अज्ञात बाइक सवार बदमाशों ने झपट्टा मारकर उनके हाथ से मोबाइल छीन लिया। जब तक सुनील संभल पाते और शोर मचाते, बदमाश आंखों से ओझल हो चुके थे।

सक्षम भारत-समर्थ भारत' के तहत दिव्यांगजनों को निःशुल्क ई-साइकिल वितरण

भोपाल (ए.)। सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण विभाग द्वारा संवेदना विकास एवं अनुसंधान मण्डल (सक्षम) तथा एल्टियस (Altius) इन्फ्रा के सहयोग से लाइवलीहुड ऑन व्हील्स कार्यक्रम के अंतर्गत दिव्यांगजनों को निःशुल्क ई-साइकिल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाते हुए उन्हें रोजगार एवं आजीविका से जोड़ना तथा उनके जीवन को अधिक सुगम एवं सम्मानजनक बनाना है। एल्टियस इन्फ्रा के सहयोग से सक्षम संगठन द्वारा संचालित इस पहल के अंतर्गत मध्यप्रदेश के तीनों प्रांत- मध्य भारत, मालवा एवं महाकौशल के अस्थिबाधित दिव्यांगजनों को 139 ई-साइकिलों का वितरण किया जा रहा है। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि दिव्यांगजन अद्भुत क्षमता और आत्मबल के प्रतीक हैं। समाज और शासन का दायित्व है कि उन्हें आगे बढ़ने के समान अवसर उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने कहा कि सक्षम भारत-समर्थ भारत अभियान दिव्यांगजनों को सम्मान और स्वावलंबन प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा कि राष्ट्र के उत्थान एवं भारत को पुनः विश्वगुरु बनाने के संकल्प को लेकर सभी विभाग एवं समाज के लोग मिलकर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित एवं समर्थ भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में वर्ष 247 तक विभिन्न संस्थाएं और सामाजिक संगठन निरंतर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने सक्षम संस्था के प्रयासों की सराहना करते हुए संस्था को बधाई दी। मंत्री श्री कुशवाह ने दिव्यांग हितग्राहियों को वितरित ई-साइकिलों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान हितग्राहियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि ईश्वर की साधना और पूजा से जितना पुण्य प्राप्त नहीं होता, उससे अधिक पुण्य किसी दिव्यांगजन को सक्षमता और आत्मनिर्भरता प्रदान करने से प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि राज्य शासन दिव्यांगजनों के कल्याण, पुनर्वास एवं आत्मनिर्भरता के लिए संवेदनशीलता के साथ निरंतर कार्य कर रहा है। ई-साइकिल वितरण जैसी पहल दिव्यांगजनों के आवागमन को सुगम बनाते हुए उन्हें रोजगार एवं आत्मसम्मान से जोड़ने का कार्य करेगी। कार्यक्रम में विभागीय अधिकारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों की सक्रिय सहभागिता रही।

गेहूं उपार्जन की प्रक्रिया जारी, अब तक हुआ 2 हजार 547 करोड़ रुपए की राशि भुगतान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

जन-जन को जोड़ा जाए जल संरचनाओं के संरक्षण से

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का 27 अप्रैल को विधानसभा में प्रस्तुत नारी शक्ति वंदन अधिनियम लागू करने के संकल्प के लिए मंत्रि-परिषद की महिला सदस्यों ने मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले अभिनंदन किया। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके, महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया, पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, नगरीय विकास एवं आवास राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी तथा पंचायत और ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्रीमती राधा सिंह ने पुष्प-गुच्छ भेंटकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अभिनंदन किया।

प्रदेश में बढ़ा गेहूं उपार्जन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश में गेहूं उपार्जन का लक्ष्य 78 लाख मीट्रिक टन से बढ़ाकर 100 लाख मीट्रिक टन किया गया। मध्यम और बड़े किसानों को स्लॉट बुकिंग की सुविधा दी गई। इस श्रेणी के 1 लाख 60 हजार 261 किसानों ने स्लॉट बुक किए हैं। स्लॉट बुकिंग की अवधि 30 अप्रैल से बढ़ाकर 9 मई तक की गई है। प्रदेश में अब तक

कुल 9.49 लाख स्लॉट बुक हुए हैं जिनमें 4.49 लाख किसानों ने अपनी फसल बेची है। अब तक कुल 19.31 लाख मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन हो चुका है, जिसके लिए 2 हजार 547 करोड़ रूपए की राशि भुगतान की जा चुकी है। प्रत्येक शनिवार के अवकाश दिवस में भी स्लॉट बुकिंग और उपार्जन जारी रहेगा। प्रत्येक उपार्जन केन्द्र पर तौल कांटों की संख्या 4 से बढ़ाकर 6 प्रति केन्द्र की गई है। किसान को तहसील के स्थान पर जिले के किसी भी उपार्जन केन्द्र पर उपज विक्रय करने की सुविधा दी गई। किसानों को राहत देते हुए एफए क्यू मापदण्ड को शिथिल करते हुए चमकविहीन गेहूं की सीमा 50 प्रतिशत तक, सूकड़े दाने की सीमा 06 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत तक और क्षतिग्रस्त दानों की सीमा बढ़ाकर 06 प्रतिशत तक की गई।

जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ सामाजिक, धार्मिक, स्वयंसेवी संस्थायें जल संरक्षण में करें सहयोग

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि 19 मार्च से प्रारंभ जल गंगा संवर्धन अभियान 30 जून तक चलेगा। सभी जिलों में कई गतिविधियां और नवाचार हो रहें है। इसी अभियान के मध्य 25 मई को गंगा दशहरा है। इस दिन पूरे प्रदेश में एक साथ जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां वृहद स्तर पर आयोजित की जायें। अधिक से अधिक व्यक्ति अपने आस-पास की जल संरचनाओं की बेहतरी के लिए श्रमदान करें। जन-जन को जल संरचनाओं के संरक्षण से जोड़ा जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देशित किया अभियान नगरीय एवं ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में एक साथ गतिविधियां आयोजित की जायें। जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ सामाजिक, धार्मिक, स्वयंसेवी संस्थायें, स्व-सहायता समूह, व्यापारी संगठन एवं अन्य शासकीय, अशासकीय संस्थाओं को भी जोड़ा जाये। मंत्रीगण अपने-अपने प्रभार के जिलों में अभी से ही इस कार्यक्रम की तैयारी की रूपरेखा बनाएं।

मध्यप्रदेश में जल स्रोतों के पुनर्जीवन को मिला जन-आंदोलन का रूप

कुएं, तालाब और नदियों की सफाई से जल सुरक्षा की ओर मजबूत पहल

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान 19 मार्च से प्रारंभ होकर 30 जून तक संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य जल संरक्षण, जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन और जनभागीदारी को बढ़ावा देना है। इसके अंतर्गत कुएँ, तालाब, बावड़ी और नहरों की सफाई, गहरीकरण, पुनर्जीवन, पौधरोपण, रेनवॉटर हार्वेस्टिंग तथा जल गुणवत्ता सुधार जैसे कार्य किए जा रहे हैं। यह अभियान अब जन-आंदोलन का रूप ले रहा है, जिसमें ग्रामीण और शहरी स्तर पर सामूहिक श्रमदान और जागरूकता गतिविधियाँ संचालित हो रही हैं।

डिंडोरी जिले में जारी है नर्मदा घाटों पर साप्ताहिक सफाई अभियान

डिंडोरी जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान और मैया अभियान के तहत प्रत्येक रविवार को नर्मदा घाटों पर व्यापक सफाई की जा रही है। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के मार्गदर्शन में विभिन्न विभागों, स्वयंसेवी संगठनों और नागरिकों द्वारा श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया जा रहा है। इससे नर्मदा घाटों की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

देवास में किया जा रहा जल संरचनाओं का निर्माण और गहरीकरण का कार्य

देवास जिले में कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देशन में जल संरचनाओं का निर्माण, गहरीकरण और मरम्मत कार्य किए जा रहे हैं। ग्राम नानूखेड़ा में सामुदायिक कूप गहरीकरण तथा ग्राम गुसट में तालाब गहरीकरण जनसहयोग से किया गया। इसके अलावा छिंदवाड़ा जिले के बिछुआ विकासखंड में तालाबों की सफाई और श्रमदान कार्य किए गए।

एमपी टूरिज्म को मिला लीडिंग टूरिज्म डेस्टीनेशन का प्रतिष्ठित सम्मान

भोपाल (ए.)। वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर अपनी सशक्त पहचान को और अधिक मजबूत बनाते हुए, एमपी टूरिज्म को जयपुर में आयोजित ग्रेट इंडियन ट्रैवल बाजार (जीआईटीबी) 2026 में प्रतिष्ठित लीडिंग टूरिज्म डेस्टिनेशन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान फिक्की द्वारा, भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय और राजस्थान पर्यटन के सहयोग से आयोजित ट्रैवल एंड टूरिज्म एक्सीलेंस अवॉर्ड्स (द्वितीय संस्करण) में दिया गया। यह पुरस्कार अतिरिक्त प्रबंध संचालक डॉ. अभय अरविंद बेडेकर ने ग्रहण किया।

सचिव पर्यटन एवं प्रबंध संचालक एमपी टूरिज्म बोर्ड, डॉ. इलैयाराजा टी ने कहा कि जीआईटीबी 2026 में मिला यह सम्मान मध्यप्रदेश की बढ़ती वैश्विक पहचान

को दर्शाता है। हमारा प्रयास हमेशा से ऐसे पर्यटन को बढ़ावा देना रहा है, जिसमें हमारी समृद्ध विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य और जीवंत परंपराओं का अनुभव, सब एक साथ मिल सके। हम अंतर्राष्ट्रीय साझेदारों के साथ मिलकर मध्यप्रदेश को विश्व के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल करने के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं।

जीआईटीबी 2026 में आकर्षण का केंद्र बना मध्यप्रदेश पवेलियन

जयपुर में 26 से 28 अप्रैल तक आयोजित जीआईटीबी 2026 में देश-विदेश के प्रमुख टूर ऑपरेटर, ट्रैवल ट्रेड से जुड़े हितधारक और विशेषज्ञ शामिल हुए। आयोजन के दूसरे दिन भी एमपी टूरिज्म बोर्ड अपने विशेष पेवेलियन के माध्यम से विरासत, आध्यात्मिकता, वन्य-जीव और सांस्कृतिक अनुभवों की विविधता को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत कर रहा है। पेवेलियन में पारंपरिक 'बधाई' नृत्य की जीवंत प्रस्तुतियां दर्शकों को राज्य की समृद्ध अमूर्त सांस्कृतिक विरासत से परिचित करा रही हैं। साथ ही 'सेव', 'गजक' और 'आम पना' जैसे स्थानीय व्यंजनों के माध्यम से आगंतुकों को मध्यप्रदेश के स्वाद का अनुभव भी कराया जा रहा है। मध्यप्रदेश अपने पर्यटन परिदृश्य को क्यूरेटेड अनुभवों और थीमैटिक सर्किट्स के माध्यम से प्रस्तुत कर रहा है।

ओरछा में होगी भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक, मई में जुटेंगे दिग्गज नेता

भोपाल, (ए.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश कार्यसमिति की महत्वपूर्ण बैठक आगामी मई माह में ऐतिहासिक नगरी ओरछा में आयोजित की जाएगी। यह घोषणा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने मंगलवार को भोपाल स्थित प्रदेश कार्यालय में आयोजित पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026 की बैठक के दौरान की।यह बैठक हेमंत खंडेलवाल के प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद पहली कार्यसमिति बैठक होगी, जिससे संगठनात्मक दृष्टि से इसके खासे मायने निकाले जा रहे हैं। माना जा रहा है कि इस बैठक में आगामी रणनीतियों, संगठन विस्तार और राजनीतिक गतिविधियों की दिशा तय की जाएगी। हालांकि, अभी तक प्रदेश कार्यसमिति के सदस्यों की सूची जारी नहीं हुई है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, एक-दो दिन के भीतर नामों की घोषणा की जा सकती है, जिससे बैठक की तैयारियां और तेज हो जाएंगी।बैठक में राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, राज्यसभा सांसद एवं प्रदेश महामंत्री सुमेर सिंह सोलंकी, प्रशिक्षण प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक विजय दुबे और प्रदेश मंत्री राजेंद्र सिंह सहित कई वरिष्ठ नेता मंच पर मौजूद रहे। इसके अलावा प्रदेश पदाधिकारी, संभाग एवं जिला प्रभारी, जिला अध्यक्ष, विभिन्न मोर्चों के अध्यक्ष और प्रशिक्षण महाअभियान से जुड़े कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। बैठक के दौरान पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026 के तहत संगठन को और मजबूत बनाने तथा कार्यकर्ताओं के कौशल विकास पर विशेष जोर दिया गया। जिला स्तर पर आयोजित होने वाले प्रशिक्षण वर्गों की रूपरेखा और कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई।

केन्द्रीय अतिरिक्त सचिव श्रीमती केरोलिन खोंगवार ने की समीक्षा, किया आंगनवाड़ी, वन स्टाप सेंटर का दौरा

महिला बाल विकास विभागों के नवाचारों की सराहना

भोपाल (ए.)। केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास की अतिरिक्त सचिव श्रीमती कैरोलिन खोंगवार देशमुख ने कहा कि सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के साथ-साथ लाभार्थियों तक सेवाओं की प्रभावी पहुँच सुनिश्चित करना प्रशासनिक तंत्र की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। मंगलवार को भोपाल प्रवास के दौरान उन्होंने यह बात महिला एवं बाल विकास संचालनालय में आयोजित एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में कही, जहाँ उन्होंने केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं पोषण 2.0, मिशन शक्ति और मिशन वात्सल्य की प्रगति का विश्लेषण किया। श्रीमती खोंगवार ने विभागीय नवाचारों की सराहना करते हुए निर्देश दिए कि सेवाओं के वितरण में पारदर्शिता और गतिशीलता को और अधिक सुदृढ़ किया जाए। श्रीमती देशमुख ने मैदानी स्तर पर व्यवस्थाओं को परखने के लिए भोपाल जिले के विभिन्न केंद्रों का सघन निरीक्षण किया। उन्होंने ईंटखेड़ी परियोजना के जेपी नगर स्थित आंगनवाड़ी केंद्र का अवलोकन किया, जहाँ बच्चों के साथ सीधा संवाद कर उनकी शिक्षा और पोषण के स्तर को समझा। इस दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती शगुफ्ता खान ने उन्हें अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशन (ECCE) के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि अजीम प्रेमजी फाउंडेशन और SRF फाउंडेशन के सहयोग से तैयार किए गए शिक्षण अधिगम सामग्री (TLM) के उपयोग से बच्चों के सर्वांगीण विकास में सकारात्मक परिवर्तन आए हैं और केंद्र में बच्चों की उपस्थिति में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

निरीक्षण के दौरान श्रीमती देशमुख ने आंगनवाड़ी केंद्र में आयोजित बाल चौपाल में हिस्सा लेकर पाँच बच्चों का जन्मदिवस मनाया और उन्हें उपहार वितरित किए। केंद्र में स्थापित उदिता कॉर्नर और न्यूट्री कॉर्नर के साथ-साथ उन्होंने वहां विकसित की गई पोषण वाटिका की भी प्रशंसा की, जहाँ सहजन, टमाटर, बैंगन और लौकी जैसी सब्जियों का उत्पादन किया जा रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, लाडली लक्ष्मी योजना और पोषण ट्रैकर ऐप के प्रभावी उपयोग पर कार्यकर्ताओं से चर्चा की और उनके समर्पण भाव की सराहना की।

श्रीमती देशमुख ने जेपी अस्पताल परिसर स्थित वन स्टॉप सेंटर और जवाहर बाल भवन स्थित सखी निवास का निरीक्षण कर महिलाओं को दी जाने वाली सुरक्षा और आश्रय सुविधाओं का जायजा लिया।

रीवा एयरपोर्ट के करें उन्नयन के करें प्रयास : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

भोपाल (ए.)। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि रीवा सहित समस्त विंध्य क्षेत्र तेज गति से विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। यहाँ के संसाधनों और क्षमताओं के अनुरूप अधोसंरचना का भी भविष्योनुमुखी विस्तार किया जा रहा है। रीवा को नवीन गंतव्यों से हवाई मार्ग से जोड़ने के लिए सतत प्रयास किए जा रहे हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय में विमानन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से कहा कि भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए रीवा एयरपोर्ट के विस्तार के प्रयास किए जाएँ। बैठक में विभागीय अधिकारियों ने एयरपोर्ट के विस्तार की कार्ययोजना की जानकारी दी। इसमें रनवे विस्तार एवं अन्य आवश्यक तकनीकी उन्नयन किया जाएगा। विस्तार के बाद भविष्य में, रीवा एयरपोर्ट से बड़े विमानों (A -320 एवं अन्य) का परिचालन संभव होगा। बैठक में अपर मुख्य सचिव, विमानन संजय कुमार शुक्ल, आयुक्त, विमानन चंद्रमौली शुक्ला एवं अपर सचिव, विमानन धरणेन्द्र कुमार जैन सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का जंबूरी मैदान भोपाल में आयोजित राजा हिरदेशाह लोधी की स्मृति में आयोजित शौर्य दिवस कार्यक्रम में स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनन्दन किया गया।

अमृत भारत एक्सप्रेस की दो नई सेवाओं का शुभारंभ, भोपाल मंडल के यात्रियों को मिलेगा बड़ा लाभ

बनारस-हडपसर अमृत भारत एक्सप्रेस बीना, रानी कमलापति,नर्मदापुरम, इटारसी एवं हरदा स्टेशनों से होकर गुजरेगी

भोपाल (निप्र)। यात्रियों को आधुनिक, आरामदायक एवं किफायती रेल सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में भारतीय रेल द्वारा एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए दो नई अमृत भारत एक्सप्रेस सेवाओं का शुभारंभ माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 28 अप्रैल 2026 को किया गया है। बनारस-हडपसर अमृत भारत एक्सप्रेस तथा लोकमान्य तिलक टर्मिनस-अयोध्या कैंट अमृत भारत एक्सप्रेस के उद्घाटन विशेष फेरे 28 अप्रैल 2026 को अपने प्रारंभिक स्टेशन से प्रस्थान कर दिनाँक 29 अप्रैल, 2026 इटारसी एवं हरदा रेलवे स्टेशन गाड़ी आगमन पर स्थानीय जन प्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिको एवं रेलवे अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में उदघाटन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इन दोनों नई सेवाओं से पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल के यात्रियों को बेहतर कनेक्टिविटी, आधुनिक यात्रा सुविधाएं तथा अधिक सुगम यात्रा विकल्प उपलब्ध होंगे।

1. वाया इटारसी लोकमान्य तिलक टर्मिनस-अयोध्या कैंट अमृत भारत एक्सप्रेस का उद्घाटन विशेष फेरा

भारतीय रेल द्वारा गाड़ी संख्या 02211/02212 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-अयोध्या कैंट-लोकमान्य तिलक टर्मिनस अमृत भारत एक्सप्रेस के परिचालन को

स्वीकृति प्रदान की गई है। इसका उद्घाटन विशेष फेरा 28 अप्रैल 2026 को अयोध्या धाम जंक्शन से संचालित किया जाएगा। यह ट्रेन भी 22 कोचों के साथ चलेगी। यह नई सेवा भोपाल मंडल के इटारसी स्टेशन से होकर संचालित होगी।

इटारसी स्टेशन पर समय-सारणी

इटारसी – आगमन 07:30 बजे, प्रस्थान 07:35 बजे

इसके अतिरिक्त यह ट्रेन सुल्तानपुर, प्रयागराज, मानिकपुर, जलगांव, नासिक रोड, कल्याण एवं ठाणे स्टेशनों से होकर लोकमान्य तिलक टर्मिनस पहुंचेगी।

2. बनारस-हडपसर अमृत भारत एक्सप्रेस का शुभारंभ

गाड़ी संख्या 02531 बनारस-हडपसर उद्घाटन स्पेशल का शुभारंभ 28 अप्रैल 2026 को बनारस से 16:45 बजे किया जाएगा। यह ट्रेन अत्याधुनिक 22 कोचों वाली अमृत भारत रेक के साथ संचालित होगी।

यह ट्रेन भोपाल मंडल के बीना, रानी कमलापति, नर्मदापुरम, इटारसी एवं हरदा स्टेशनों से होकर गुजरेगी।

भोपाल मंडल में प्रमुख ठहराव एवं समय-सारणी

बीना – आगमन 05:15 बजे, प्रस्थान 05:20 बजे

रानी कमलापति – आगमन 07:35 बजे, प्रस्थान 07:40 बजे नर्मदापुरम – आगमन 08:50 बजे, प्रस्थान 08:55 बजे इटारसी – आगमन 09:25 बजे, प्रस्थान 09:30 बजे हरदा – आगमन 10:20 बजे, प्रस्थान 10:25 बजे इसके पश्चात यह ट्रेन खंडवा, भुसावल, जलगांव, मनमाड, कोपरगांव, अहिल्यानगर एवं दौंड कॉर्ड लाइन होते हुए अगले दिन 00:55 बजे हडपसर पहुंचेगी। इन दोनों नई अमृत भारत सेवाओं के माध्यम से यात्रियों को बेहतर गति, आधुनिक कोच, उन्नत यात्री सुविधाएं तथा अधिक आरामदायक यात्रा अनुभव प्राप्त होगा। ये सेवाएं उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र एवं पश्चिम भारत के बीच संपर्क को और अधिक सुदृढ़ करेंगी। बनारस-हडपसर तथा अयोध्या कैंट-लोकमान्य तिलक टर्मिनस अमृत भारत एक्सप्रेस सेवाओं से भोपाल मंडल के यात्रियों को नए गंतव्यों के लिए तेज, सुगम और सुविधाजनक रेल विकल्प उपलब्ध होंगे।

महिला आरक्षण पर विशेष सत्र में हंगामा, विपक्ष का वॉकआउट

भोपाल,(ए.)। मध्य प्रदेश विधानसभा के विशेष सत्र में महिला आरक्षण को लेकर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा प्रस्तुत संकल्प प्रस्ताव पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। चर्चा के दौरान दोनों पक्षों ने प्वाइंट ऑफ ऑर्डर के माध्यम से अपनी-अपनी दलीलें रखीं। मप्र विधानसभा में सोमवार को आहुत किए गए विशेष सत्र में विपक्ष ने मांग रखी कि उनके प्रस्ताव को भी शामिल किया जाए और वर्तमान परिस्थितियों में महिलाओं को तत्काल 33 प्रतिशत आरक्षण लागू किया जाए। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने सरकार द्वारा प्रस्तुत संकल्प प्रस्ताव को चर्चा के लिए स्वीकार कर लिया, जिसके बाद विपक्ष ने विरोध स्वरूप सदन से वॉकआउट कर दिया। सदन में सत्ता पक्ष के प्रमुख वक्ताओं में संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और भाजपा सदस्यों ने सरकार का पक्ष रखा, जबकि विपक्ष की ओर से कांग्रेस नेताओं ने सदन में जोरदार विरोध दर्ज कराया। इस घटना ने राजनीतिक माहौल को गरमा दिया।

रिश्तों को शर्मसार करता ये मामलाः शहडोल में फूफा ने किया मासूम का अपहरण, पुलिस ने खोजकर मां की गोद में सौंपा

शहडोल (ए.)। शहडोल के ब्यौहारी क्षेत्र में एक साल के मासूम के अपहरण से हड़कंप मच गया, जहां फूफा ही आरोपी निकला। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कुछ ही घंटों में बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया। पति-पत्नि के रिश्तों में दरार आने के बाद पति ने ऐसा कांड किया जिससे एक बच्चे की जान पर बन आई। दरअसल, शहडोल में ऐसी ही मामला सामने आया है। यहां उमेश सिंह की पत्नि मायके आई फिर वो लौटी नहीं। इस बात से उमेश सिंह नाराज हो गया। उसने ससुराल वालों से बदला लेने का सोचा। फिर अपने साले के एक साल के बच्चे का अपहरण कर लिया। उमेश रात में साले के घर पहुंचा फिर उसके बच्चे को खेलाने के बहाने गोद में लेकर जंगल की तरफ चल दिया। जब उमेश बहुत देर तक लौटा नहीं तो बच्चे की मां ने पुलिस के पास जाकर शिकायत की। हालांकि, पुलिस की मुस्तैदी और त्वरित कार्रवाई से महज कुछ घंटों के भीतर मासूम को सकुशल बरामद कर परिजनों के हवाले कर दिया गया। इस पूरी घटना ने इलाके में हड़कंप मचा दिया। वहीं, पुलिस की तत्परता की सराहना भी हो रही है।

राजा रघुवंशी हत्याकांडः पुलिस की चूक या साक्ष्य की कमी ? सोनम चौथी आरोपी जिसको मिली जमानत

इंदौर (ए.)। राजा रघुवंशी हत्याकांड में मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी को गिरफ्तारी के करीब 11 महीने बाद जमानत मिल गई है। इस फैसले से एक ओर जहां रघुवंशी परिवार में नाराजगी है, वहीं मामले में शामिल अन्य आरोपियों की जमानत याचिकाओं पर भी कानूनी हलचल तेज हो गई है। जमानत मिलने का कारण पुलिस की ए क चूक को बताया जा रहा है।

देशभर में चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड की आरोपी सोनम रघुवंशी को जमानत मिल गई है। जमानत का आधार उत्तर प्रदेश के गाजीपुर से सोनम की जिस तरह से पुलिस ने गिरफ्तारी की है उसे बताया जा रहा है। पुलिस ने सोनम को यह नहीं बताया था कि उसे क्यों गिरफ्तार किया गया है। इस पर सोनम के वकील ने कोर्ट में तर्क दिए हैं। उधर सोनम के प्रेमी राज कुशवाह ने भी जमानत अर्जी लगाई है। फिलहाल सोनम का साथ देने वाले अन्य चार आरोपियों को जमानत नहीं मिली है।

इनको मिल चुकी है जमानत

राजा रघुवंशी हत्याकांड में सोनम पहली नहीं है जिसको जमानत मिली है। इसके पहले कोर्ट हत्या के सबूत मिटाने के आरोपी यानि इंदौर में फ्लैट किराए पर दिलाने वाले शिलोम जेम्स, मकान मालिक लोकेंद्र सिंह तोमर और सिक्योरिटी गार्ड बलवीर अहिरवार को जमानत दे चुका है। शिलोम पर फ्लैट में मिले पैसे और गहनों को अपने पास रखने का आरोप है। ये भी आरोप है कि उसने बैग को खाली प्लॉट में जलाया था।

जमानत से पीड़ित परिवार नाराज

उधर राजा का भाई विपिन लगातार आरोपियों को जमानत मिलने से नाराज है। इस केस में उन्होंने भी वकील नियुक्त किया है। विपिन का कहना है कि सोनम को जमानत नहीं मिलनी चाहिए क्योंकि अभी केस कोर्ट में है। वह सबूतों को नष्ट कर सकती है। इस जमानत का रघुवंशी परिवार अपने वकील के माध्यम से विरोध करेगा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मेरे भाई की हत्या के बाद सोनम के भाई गोविंद ने कहा था कि वह उनके परिवार के साथ है, लेकिन वह सोनम की मदद कर रहा है। शिलांग कोर्ट में उसी ने सोनम के लिए वकील नियुक्त कराने में मदद की।

11 महीने बाद मिली जमानत

सोनम को गिरफ्तारी के 11 महीने बाद जमानत मिली है। राजा रघुवंशी की हत्या पिछले साल 23 मई को शिलांग में की गई थी। हत्या के 17 दिन बाद पुलिस ने गुत्थी सुलझाते हुए इंदौर से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया था, जबकि सोनम को उत्तर प्रदेश के गाजीपुर के एक ढाबे के पास से पुलिस ने हिरासत में लिया था। सोनम ने अपने भाई को वहां से फोन लगाया और लूट के बाद कुछ आरोपियों द्वारा सड़क पर छोड़ने की कहानी रची थी, लेकिन उससे पहले शिलांग पुलिस ने इंदौर से सोनम के प्रेमी राज कुशवाह और उसके तीन दोस्तों को गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद सोनम ने भी अपराध कबूल कर लिया था। बाद में शिलांग पुलिस गाजीपुर जाकर सोनम को गिरफ्तार कर लाई।

उज्जैन सम्राट विक्रम विश्वविद्यालयः किसने दीवारों पर लिखा तुम सब मरोगे! लाल कपड़े के पीछे का क्या है खेल ?

उज्जैन (ए.)। उज्जैन के सम्राट विक्रम विश्वविद्यालय में कृषि संकाय के लिए एक नया भवन बनाया गया । इसमें करीब 17 करोड़ रुपये की लागत आई। इसमें कक्षा और प्रयोगशाला अभी लगना शुरू ही हुआ था कि रात में कोई भवन के मुख्य दरवाजे पर धमकी भरे शब्द लिख गया। इसमें लिखा कि तुम सब मरोगे ! सुबह जब यहां कर्मचारी पहुंचे तो उन्होंने ये पढ़ा इसके बाद परिसर में हड़कंप मच गया है।

भवन के दरवाजे पर क्या-क्या मिला ?

जानकारी के अनुसार, बिल्डिंग के गेट पर लाल रंग से "तुम सब मरोग" लिखा गया है। इसके साथ ही गेट के पास एक बड़ी मटकी रखी गई है। मटकी को लाल कपड़े से ढका गया है। मटकी को फूलों की माला से घेरा गया है। पास में ही सिंदूर और चावल पड़े हैं। यहां धूप भी जलाई गई है।

सबसे पहले किसने देखा ?

इस नजारे को सबसे पहले देखने वाले यूनिवर्सिटी के चौकीदार आशीष हैं। उनका कहना है कि वे सुबह सात बजे आए। वे बोरिंग चालू करने जा रहा थे, तो देखा कि गेट पर मटकी, लाल कपड़ा वगैरह रखा था। किसी भी चीज को उन्होंने हाथ नहीं लगाया । फिर इसकी सूचना ऊपर के अधिकारियों को दी। उनका कहना है कि सोमवार की शाम को उन्होंने दरवाजे के आस-पास सफाई की थी। रात दो बजे तक वो जागते रहे। उस समय तक कुछ नहीं हुआ था। उसके बाद ही यह सब हुआ है।

विभागाध्यक्ष यह बताया

विक्रम विश्वविद्यालय के कृषि विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश टेलर ने इसे असामाजिक तत्वों की करतूत बताया है। इस घटना की जानकारी उच्च अधिकारियों को दे दी है। घटना के बाद यहां पढ़ने वाले करीब 1100 छात्रों और स्टाफ के बीच डर का माहौल बन गया है।

नहीं लगे सीसीटीवी कैमरे

खास बात यह है कि हाल ही में इस नए भवन में कक्षाओं का संचालन शुरू हुआ है। वहीं, विद्यार्थियों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि परिसर के इस हिस्से में अभी सीसीटीवी कैमरे नहीं लगाए गए हैं। फिलहाल प्रशासन पूरे मामले की जानकारी जुटाने में लगा है और जल्द ही इस मामले में कार्रवाई की जाएगी। इस घटना ने विक्रम विश्वविद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। परिसर में सीसीटीवी कैमरे नहीं होने के कारण अज्ञात शरारती तत्वों की पहचान करना अभी मुश्किल हो रहा है।

नाबालिग के अपहरण पर सुलग उठा टाटियाखेड़ी, जमकर बरसे पत्थर, झोपड़ी फूंकी, गांव में मचा हड़कंप

नीमच (ए.)। जिले के नीमच सिटी थाना क्षेत्र में 16 वर्षीय नाबालिग के अपहरण के मामले ने मंगलवार को हिंसक रूप ले लिया। ठीकरिया गांव से लड़की के गायब होने के बाद उपजा तनाव दोपहर में टाटियाखेड़ी गांव में उस वक्त फूट पड़ा, जब गुस्साए लोगों ने जमकर पथराव किया और एक झोपड़ी को आग के हवाले कर दिया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

क्या है पूरा मामला ?

मिली जानकारी के अनुसार ठीकरिया गांव निवासी 16 साल 9 महीने की नाबालिग लड़की 19 अप्रैल की रात संदिग्ध परिस्थितियों में गायब हो गई थी। परिजनों का आरोप है कि जोरावरपुरा निवासी पिंटू गरासिया (पिता मोहन बंजारा) उसे भगा ले गया है।

इस मामले में टाटियाखेड़ी निवासी गुड्डा चावड़ा ने परिजनों को आश्वासन दिया था कि वह एक सप्ताह के भीतर लड़की को ढूंढकर सुपुर्द कर देगा, लेकिन तय समय बीत जाने के बाद भी कोई सुराग नहीं मिलने पर पीड़ित पक्ष का सब्र टूट गया। मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे टाटियाखेड़ी गांव में अचानक स्थिति तनावपूर्ण हो गई। आरोप है कि इस दौरान

जमकर पत्थरबाजी हुई और एक झोपड़ी में आग लगा दी गई, जिससे इलाके में दहशत फैल गई।

घटना के बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाए हैं। एक तरफ लड़की पक्ष का कहना है कि वे टाटियाखेड़ी गांव की सीमा में घुसे तक नहीं और उनके खिलाफ साजिश की जा रही है। वहीं टाटियाखेड़ी के गुड्डा बंजारा का आरोप है कि मोहन और भूरालाल बंजारा ने गांव में आकर तोड़फोड़ की और झोपड़ी में आग लगाई।

पुलिस ने संभाला मोर्चा

सूचना मिलते ही जवासा चौकी प्रभारी उप-निरीक्षक असलम पठान मय जाब्ते के मौके पर पहुंचे। पुलिस ने फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पाया। पठान ने बताया कि स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है और दोनों पक्षों को समझाइश दी जा रही है। साथ ही नाबालिग की तलाश जारी है।

व्यापार समाचार

Petrol-Diesel Price: चुनावों के बाद कीमतें बढ़ाने की कोई योजना नहीं, मंत्रालय ने अटकलों को किया खारिज

नई दिल्ली (ए.)। केंद्र सरकार ने साफ किया है कि विधानसभा चुनावों के समापन के बाद पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में बढ़ोतरी की कोई योजना नहीं है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने मंगलवार को उन अटकलों को सिरे से खारिज कर दिया, जिनमें पश्चिम बंगाल में 29 अप्रैल को मतदान खत्म होने के तुरंत बाद ईंधन के दाम बढ़ने की आशंका जताई जा रही थी। सरकार की ओर से यह स्पष्टीकरण ऐसे समय में आया है जब पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण पिछले दो महीनों में कच्चे तेल की लागत 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ गई है, जिससे सरकारी तेल कंपनियों पर भारी वित्तीय दबाव है।

मंत्रालय का स्पष्टीकरण और अफवाहों पर विराम

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने पश्चिम एशिया के घटनाक्रमों पर एक प्रेस वार्ता के दौरान कहा, "पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं है।" वह इस सवाल का जवाब दे रही थीं कि क्या बुधवार को पश्चिम बंगाल में मतदान संपन्न होने के बाद खुदरा ईंधन की कीमतें बढ़ाई जाएंगी।

यह बयान उन अटकलों को शांत करने के लिए महत्वपूर्ण है, जिनके कारण आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों के कुछ हिस्सों में 'पैनिक बाइंग' (घबराहट में खरीदारी) शुरू हो गई थी। रिपोर्टों के अनुसार, आसन्न मूल्य वृद्धि की अफवाहों के कारण आंध्र प्रदेश के कई शहरों में रविवार को 400 से अधिक पेट्रोल पंप सूख गए थे और कुछ आउटलेट्स पर मांग में 30-33 प्रतिशत तक की वृद्धि देखी गई थी। शर्मा ने कहा, 'हमने कुछ जगहों पर पैनिक बाइंग देखी है। हम इन सभी जगहों पर राज्य सरकारों के साथ लगातार संपर्क में हैं। सभी खुदरा आउटलेट्स की निगरानी की जा रही है और आपूर्ति को प्राथमिकता दी जा रही है ताकि स्टॉक की उपलब्धता सुनिश्चित हो और कोई कमी न हो।' उन्होंने जनता से अफवाहों पर विश्वास न करने और आधिकारिक स्रोतों पर भरोसा करने का आग्रह किया।

वित्तीय दबाव और कच्चे तेल की कीमतें

उल्लेखनीय है कि खुदरा पेट्रोल और डीजल की कीमतें रिकॉर्ड चौथे वर्ष से अपरिवर्तित बनी हुई हैं। कीमतें अप्रैल 2022 की शुरुआत से स्थिर हैं। इनपुट लागत और पंप की कीमतों के बीच बढ़ते अंतर के कारण सरकारी ईंधन खुदरा विक्रेताओं को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद सेंसेक्स 417, निफ्टी 97 अंक गिरा

मुंबई (ए.)। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते को लेकर जारी संशय के कारण कच्चे तेल की कीमतों के बढ़ने से भी बाजार पर दबाव आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 416.72 अंकों टूटकर 76,886.91 पर जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 97 अंक नीचे आकर 23,995.70 पर पहुंच गया। वहीं आज व्यापक बाजारों ने बेंचमार्क सूचकांकों से बेहतर प्रदर्शन किया, जिसमें निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 0.42 फीसदी और निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.28 फीसदी की बढ़त रही।

वहीं क्षेत्रवार देखें तो निफ्टी ऑयल एंड गैस और निफ्टी मेटल को छोड़कर तकरीबन सभी सेक्टोरल इंडेक्स गिरावट के साथ ही लाल निशान में बंद हुए। सबसे ज्यादा गिरावट निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी प्राइवेट बैंक में रही। इसके अलावा निफ्टी ऑटो भी नीचे आया।

पश्चिम एशिया तनाव के बीच सोना-चांदी की कीमतों में गिरावट

- सोना 40 रुपए और चांदी 1000 रुपए से ज्यादा लुढ़की

नई दिल्ली (ए.)। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय वायदा बाजारों में मंगलवार को सोने और चांदी के भावों में नरमी देखने को मिल रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दोनों बहुमूल्य धातुओं के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले और खबर लिखे जाने तक इनमें और कमी दर्ज की गई। इस दौरान सोने का जून कॉन्ट्रैक्ट 1,51,650 रुपये के करीब, जबकि चांदी का मई कॉन्ट्रैक्ट 2,40,800 रुपये के आसपास कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर भी सोना-चांदी दबाव में रहे। एमसीएक्स पर सोने के जून वायदा कॉन्ट्रैक्ट की शुरुआत 21 रुपये की मामूली गिरावट के साथ 1,51,700 रुपये प्रति 10 ग्राम पर हुई। पिछले सत्र में यह 1,51,721 रुपये पर बंद हुआ था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 40 रुपये की गिरावट के साथ 1,51,681 रुपये पर कारोबार कर रहा था। दिन के दौरान इसने 1,51,802 रुपये का उच्च और 1,51,555 रुपये का निचला स्तर छुआ। वहीं चांदी के मई वायदा कॉन्ट्रैक्ट में भी बड़ी गिरावट दर्ज की गई। यह 1,334 रुपये की जोरदार गिरावट के साथ 2,40,490 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,41,824 रुपये था।

लीबिया में बड़ी कामयाबीः भारतीय कंपनियों को मिला तेल-गैस भंडार, ईरान में जंग के बीच ऊर्जा सुरक्षा को नया सहारा

नई दिल्ली (ए.)। भारत के ऊर्जा क्षेत्र के लिए एक बड़ी और राहत देने वाली खबर सामने आई है। लीबिया में भारतीय कंपनियों को तेल और गैस का नया भंडार मिला है, जिसे देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए एक अहम उपलब्धि माना जा रहा है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया पोस्ट में इस खोज की जानकारी दी है। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भी इस उपलब्धि को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए कंसोर्टियम को बधाई दी है और भविष्य में इस संसाधन के बेहतर उपयोग की उम्मीद जताई है।

लीबिया के गदामेस बेसिन में बड़ी खोज

यह खोज लीबिया के गदामेस बेसिन स्थित कॉन्ट्रैक्ट एरिया 95/96 में की गई है। इस परियोजना में ऑयल इंडिया लिमिटेड और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड भारतीय कंसोर्टियम के हिस्से हैं, जबकि अल्जीरिया की कंपनी SIPX इस परियोजना की ऑपरेटर है।

जानकारी के अनुसार, इस कुएं की खुदाई लगभग 8,440 फीट की गहराई तक की गई। परीक्षण के दौरान यहां से प्रतिदिन करीब 13 मिलियन क्यूबिक फीट गैस और 327 बैरल कंडेनसेट का उत्पादन प्राप्त हुआ। यह उत्पादन अविनात वानिन और अविन काजा फॉर्मेशन से मिला है, जो इस क्षेत्र की ऊर्जा क्षमता को दर्शाता है।

भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मिलेगा बल

मंत्रालय ने इस खोज को भारतीय ऊर्जा कंपनियों के बढ़ते वैश्विक विस्तार का महत्वपूर्ण उदाहरण बताया है। साथ ही कहा गया है कि यह सफलता अंतरराष्ट्रीय साझेदारी की अहमियत को भी दर्शाती है। भारत लगातार विदेशों में ऊर्जा संपत्तियों में निवेश कर अपनी ऊर्जा जरूरतों को मजबूत करने की दिशा में काम कर रहा है, और यह खोज उसी रणनीति का हिस्सा है।

यूएई ने ओपेक और ओपेक प्लस से बाहर होने का लिया फैसला, तेल उत्पादक देशों के लिए बड़ा झटका

नई दिल्ली (ए.)। संयुक्त अरब अमीरात ने मंगलवार को ओपेक और ओपेक संघ से बाहर निकलने की घोषणा की। इस फैसले से तेल निर्यातक समूहों और उनके वास्तविक नेता सऊदी अरब को भारी झटका लगा है। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब ईरान युद्ध ने ऐतिहासिक ऊर्जा संकट पैदा किया है और वैश्विक अर्थव्यवस्था को अस्थिर कर दिया है। ओपेक के एक लंबे समय से सदस्य रहे संयुक्त अरब अमीरात का अप्रत्याशित रूप से ओपेक से बाहर होना अव्यवस्था पैदा कर सकता है और समूह को कमजोर कर सकता है। यूएई के इस फैसले ने भू-राजनीति अनिश्चितता पैदा की है। उत्पादन कोटा तक के मुद्दों पर आंतरिक मतभेदों के बावजूद आमतौर पर इन संगठनों ने एकजुटता दिखाने की कोशिश की है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई (ए.)। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय

रुपया 41 पैसे की गिरावट के साथ ही 94.61 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया 24 पैसे टूटकर 94.39 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और महीने के अंत में डॉलर की मांग में बढ़ोतरी से रुपये पर दबाव बना रहा। साथ ही सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर व्यापक रुझान भी देखने को मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि ब्रेंट तेल की कीमत 109 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचने से भी निवेशकों का मनोबल कमजोर हुआ है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.35 पर खुला। फिर और टूटकर शुरुआती कारोबार में 94.39 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 24 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.15 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 98.49 पर रहा।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

चिंगारी पड़ते ही लपटें

सरकार ने उलझे हालात का हल निकालने की कोई गंभीर कोशिश नहीं की है। उसने समस्या को महज कानून-व्यवस्था के नजरिए से देखा है। मगर उस मोर्चे पर भी कामयाबी नहीं मिली है, जिसकी मिसाल ताजा घटनाएं हैं।

मणिपुर में हालात लगातार इतने सुलगे हुए हैं कि कोई भी चिंगारी पड़ते ही लपटें उठने लगती हैं। बिशुनपुर जिले में मंगलवार को बम फेंके जाने की घटना के बाद यही हुआ। बम एक आम परिवार के घर पर फेंका गया, जिसमें दो बच्चों की मौत हो गई। उसके बाद भड़की भीड़ ने जगह- जगह सुरक्षा ठिकानों सहित अन्य स्थलों को निशाना बनाया। उन पर हुई पुलिस कार्रवाई में दो और लोग मारे गए। पांच जिलों में कर्फ्यू लगाते हुए इंटरनेट बंद करना पड़ा। बम संभवत: कुकी उग्रवादियों ने फेंका, जिसका शिकार मैतेई परिवार बना। बाद में विरोध प्रदर्शनों के दौरान मारे गए दोनों व्यक्ति मैतेई समुदाय के ही हैं। इन घटनाओं ने फिर जाहिर किया है कि मणिपुर में हालात लगातार असामान्य बने हुए हैं। बल्कि मई 2023 में हिंसा शुरू होने के बाद से वहां मैतेई और कुकी समुदायों के बीच खाई लगातार चौड़ी होती गई है। इससे पूरे राज्य में अविश्वास का माहौल है। केंद्र और राज्य सरकारों ने उलझते गए हालात का हल निकालने की कोई गंभीर कोशिश नहीं की है। उन्होंने समस्या को महज कानून- व्यवस्था के नजरिए से देखा है। मगर उस मोर्चे पर भी प्रशासन कामयाब नहीं हुआ है, जिसकी मिसाल ताजा घटनाएं हैं। वैसे जहां अशांति की जड़ में दो समुदायों के बीच जारी तनाव हो, वहां कानून- व्यवस्था संबंधी उपायों से सामान्य स्थिति बहाल नहीं की जा सकती। इस मोर्चे पर सत्ताधारी दल या किसी अन्य राजनीतिक पक्ष ने जमीनी पहल नहीं की है। आवश्यकता दोनों में समुदायों के बीच संवाद बनाने और सद्भाव पैदा करने की है, ताकि उनमें एक- दूसरे के प्रति गहराते गए वैर भाव को दूर करने का रास्ता निकले। फिलहाल सूरत यह है कि कुकी संगठन अलग प्रदेश की मांग पर अड़े हुए हैं। उन्हें नहीं लगता मैतेई बहुल मणिपुर में वे सुरक्षित रह पाएंगे। केंद्र ने मणिपुर में मुख्यमंत्री बदल कर नई सरकार में कुकी विधायकों को नुमाइंदगी देते हुए मसले का हल निकालने की कोशिश की। लेकिन उससे बात नहीं बनी है। अत: अब ऐसी जमीनी पहल की जरूरत है, जिसमें दोनों पक्षों का भरोसा और भागीदारी हो।

वॉशिंगटन हिल्टन: इतिहास की पुनरावृत्ति या अमेरिकी लोकतंत्र की कमजोरी?

– डॉ. प्रियंका सौरभ

वॉशिंगटन के प्रतिष्ठित वॉशिंगटन हिल्टन में शनिवार रात हुई गोलीबारी ने पूरी दुनिया को एक बार फिर चौंका दिया। यह केवल एक सुरक्षा संबंधी घटना नहीं थी, बल्कि एक ऐसा क्षण था जिसने इतिहास, राजनीति और लोकतंत्र—तीनों को एक साथ खड़ा कर दिया। जब व्हाइट हाउस संवाददाता रात्रिभोज के दौरान अचानक गोलियों की आवाज गूंजी, तो वहां मौजूद हजारों लोगों के लिए यह किसी भयावह स्वप्न से कम नहीं था। इस कार्यक्रम में डोनाल्ड ट्रंप, मेलानिया ट्रंप और जेडी वेंस जैसे शीर्ष नेता उपस्थित थे। कुछ ही पलों में उत्सव का माहौल भय और अराजकता में बदल गया। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस की तत्परता ने स्थिति को नियंत्रित कर लिया, लेकिन इस घटना ने कई गहरे सवाल खड़े कर दिए, जिनका उत्तर सरल नहीं है।इस घटना की सबसे चौंकाने वाली और साथ ही डरावनी बात यह है कि यह पहली बार नहीं हुआ। यही होटल, जिसे कभी-कभी हिंकली हिल्टन के नाम से भी जाना जाता है, पहले भी अमेरिकी इतिहास की एक बड़ी हिंसक घटना का गवाह रह चुका है। वर्ष 1981 में इसी स्थान के बाहर तत्कालीन राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन पर जॉन हिंकली जूनियर ने गोली चलाई थी। उस हमले में रीगन गंभीर रूप से घायल हो गए थे और उनके प्रेस सचिव जेम्स ब्रैडी को स्थायी रूप से विकलांगता का सामना करना पड़ा था। उस समय भी यही सवाल उठे थे—सुरक्षा में चूक कैसे हुई? और आज, लगभग 45 वर्ष बाद, वही प्रश्न फिर हमारे सामने खड़ा है। फर्क सिर्फ इतना है कि अब दुनिया कहीं अधिक जटिल हो चुकी है और खतरों के स्वरूप भी बदल चुके हैं।घटना के दौरान मौजूद लोगों के अनुसार सब कुछ सामान्य ढंग से चल रहा था। हंसी-मजाक, भाषण, मीडिया और राजनीति का मिश्रण—यह रात्रिभोज हमेशा से अमेरिकी लोकतंत्र की एक अनूठी परंपरा रहा है। लेकिन अचानक हुई गोलीबारी ने इस परंपरा को झकझोर कर

रख दिया। लोग अपनी सुरक्षा के लिए टेबलों के नीचे छिपने लगे, अफरा-तफरी मच गई और कुछ ही क्षणों में पूरा वातावरण नियंत्रण से बाहर होता प्रतीत हुआ। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई बड़ा जान-माल का नुकसान नहीं हुआ, लेकिन मानसिक और मनोवैज्ञानिक प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

यह घटना केवल एक सुरक्षा चूक नहीं है, बल्कि यह अमेरिकी समाज में बढ़ते राजनीतिक तनाव का भी संकेत देती है। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका में वैचारिक ध्रुवीकरण तेजी से बढ़ा है। 6 जनवरी कैपिटल दंगा जैसी घटनाएं यह दिखा चुकी हैं कि राजनीतिक मतभेद अब केवल बहस और विचार-विमर्श तक सीमित नहीं रह गए हैं। वे सड़कों पर, संस्थानों में और अब उच्च-स्तरीय आयोजनों में भी खुलकर सामने आ रहे हैं। इस संदर्भ में वॉशिंगटन हिल्टन की यह घटना एक अलग-थलग घटना नहीं लगती, बल्कि एक व्यापक प्रवृत्ति का हिस्सा प्रतीत होती है।

डोनाल्ड ट्रंप की राजनीति भी इस पूरे परिदृश्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उनकी अमेरिका फर्स्ट और मेक अमेरिका ग्रेट अगेन जैसी नीतियों ने जहां एक बड़े वर्ग को आकर्षित किया, वहीं दूसरी ओर समाज के एक हिस्से में असंतोष और विरोध भी पैदा किया। मीडिया के साथ उनका टकराव, फेक न्यूज़ जैसे शब्दों का प्रयोग, और राजनीतिक विरोधियों के प्रति तीखी भाषा—इन सबने सामाजिक माहौल को और अधिक संवेदनशील बना दिया। ऐसे में जब कोई हिंसक घटना घटित होती है, तो वह केवल एक व्यक्ति का कृत्य नहीं प्रतीत होती, बल्कि उस व्यापक सामाजिक और राजनीतिक वातावरण का परिणाम लगती है जिसमें असहमति को अक्सर शत्रुता के रूप में देखा जाने लगा है।सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस को विश्व की सबसे सक्षम सुरक्षा एजेंसियों में गिना जाता है। 1981 की घटना के बाद इसमें कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए—अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग, अधिक प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मी, और उन्नत निगरानी प्रणाली। फिर भी इस प्रकार की घटना का होना यह दर्शाता है कि भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक आयोजनों में जोखिम को पूरी तरह समाप्त नहीं किया जा सकता। आज के समय में खतरे केवल पारंपरिक हथियारों से नहीं आते, बल्कि वे मानसिक अस्थिरता, ऑनलाइन कट्टरता और व्यक्तिगत निराशा जैसे कारकों से भी जुड़े होते हैं। इस घटना का एक और महत्वपूर्ण पहलू है—डिजिटल युग और सोशल मीडिया की भूमिका। आज विचारों का प्रसार अत्यंत तेज गति से होता है। गलत जानकारी, षड्यंत्र सिद्धांत और कट्टरपंथी विचारधाराएं कुछ ही समय में लाखों लोगों तक पहुंच जाती हैं। जहां 1981 में जॉन हिंकली जूनियर पर फिल्मों के प्रभाव की चर्चा हुई थी, वहीं आज के समय में हमलावरों पर डिजिटल दुनिया और सोशल मीडिया का प्रभाव अधिक देखा जाता है। यह बदलाव सुरक्षा एजेंसियों के सामने नई चुनौतियां प्रस्तुत करता है, क्योंकि अब खतरे की पहचान करना और उसे समय रहते रोकना पहले से कहीं अधिक कठिन हो गया है।वैश्विक स्तर पर भी इस घटना के प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अमेरिका को दुनिया का सबसे शक्तिशाली लोकतंत्र माना जाता है, और वहां होने वाली घटनाएं अन्य देशों के लिए संकेत का काम करती हैं। भारत जैसे देशों के लिए, जहां बड़े पैमाने पर राजनीतिक और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित होते हैं, यह एक चेतावनी है। केवल तकनीकी रूप से सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना पर्याप्त नहीं है; इसके साथ-साथ सामाजिक सौहार्द, संवाद और आपसी विश्वास को भी बढ़ावा देना आवश्यक है।इस घटना ने एक गहरा प्रश्न भी उठाया है—क्या लोकतंत्र वास्तव में सुरक्षित है? लोकतंत्र केवल चुनावों और संस्थाओं का नाम नहीं है, बल्कि यह एक विचारधारा है जिसमें असहमति को स्वीकार किया जाता है और संवाद को प्राथमिकता दी जाती है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मतदाता इतनी बड़ी संख्या में क्यों निकल कर बाहर आए?

अजय दीक्षित

पश्चिम बंगाल में मतदाताओं ने भारतीय राजनीतिक इतिहास में पहली बार 92.55 फीसदी वोट करके रिकॉर्ड कायम कर दिया।इससे पहले 84.61 फीसदी मतदान का रिकॉर्ड था तब भी बंगाल में ही हुआ था। लेकिन राजनीति विश्लेषकों का मानना है कि बढ़ा हुआ मतदान एस आई आर (मतदाता सूची के गहन परीक्षण) के कारण हुआ है क्योंकि बोगस मतदाता सूची से पृथक हो गया और बंगाल में 294 विधानसभा सीटों पर करीब नब्बे लाख मतदाता हटे इस कारण वोटिंग प्रतिशत पर घनात्मक परिवर्तन हुआ बताया जाता है कि बंगाल से बाहर गए लोग भी इस डर शत प्रतिशत वोट करने रेलगाड़ियों से आए कि उनका मतदाता सूची से नाम पृथक नहीं हो जाय और उनकी शासकीय योजनाओं में से नाम पृथक नहीं हो सकता है यहां तक कि उनका आधार कार्ड, पेन कार्ड, पासपोर्ट समाप्त न हो जाएगा। सही बात भी मीडिया, राजनीतिक नेता नहीं कह रहे हैं कि भला हो मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का जिन्होंने एस आई आर कराया और बंगाल विधानसभा चुनाव के प्रथम चरण में 2400 कंपनियों पैरा मिलिट्री फोर्स की मतदान केंद्र की सुरक्षा और निष्पक्ष मतदान के लिए लगाई जिन्होंने चुनावी हिंसा को रोका।इससे पहले बंगाल में रक्त रंजित ही चुनाव होते रहे थे।इसी सुरक्षा और एस आई आर के चलते रिकॉर्ड और शांति पूर्ण चुनाव हुआ है लेकिन असली बात कहने को कोई राजी नहीं है। वरना भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार शिवेंदु सरकार को तुड़मूल कांग्रेस के गुंडों ने क्या हाल किया ।

भारत-न्यूजीलैंड ने नए आर्थिक संघ की शुरुआत की : दोनों देशों के लोगों के लिए एक लाभकारी समझौता

आधुनिक आर्थिक इतिहास के अधिकाँश समय के लिए व्यापार का तर्क सरल था: तुलनात्मक लाभ। यह प्रणाली काम करती थी - जब तक कि यह समझौता नहीं हुआ था। हाल के वर्षों में, भू-राजनीतिक तनावों और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के पुनर्गठन के साथ, व्यापार समझौतों की संरचना का फिर से निर्माण किया जा रहा है। समान विचारधारा वाले लोकतंत्रों के लिए, सवाल अब यह नहीं है कि एकीकृत होना चाहिए या नहीं, बल्कि यह कि कितना गहराई से और कितनी तेजी से एकीकृत होना चाहिए। भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की अपनी महत्वाकांक्षा की ओर आगे बढ़ रहा है। देश ने पूर्व —इस बार भारत-प्रशांत क्षेत्र — की ओर अपना ध्यान केंद्रित किया है। भारत ऐसे साझेदारों की तलाश में है, जो आर्थिक एकीकरण और अपने नागरिकों की समृद्धि के लिए इसके दृष्टिकोण को साझा करते हैं। न्यूजीलैंड के रूप में, भारत को बिल्कुल ऐसा ही देश मिला।

यह रिश्ता लंबे समय से बन रहा था और पहली नज़र में इसका विस्तार व्यापार से आगे तक है। लगभग 3,00,000 भारतीय मूल के लोग न्यूज़ीलैंड में रहते हैं, जो इसकी आबादी का लगभग 5 प्रतिशत हैं— ये एक ऐसे सेतु का निर्माण करते हैं, जो उतना ही सांस्कृतिक है, जितना कि आर्थिक। इसलिए यह आश्चर्य की बात नहीं है कि द्विपक्षीय वस्तु व्यापार वित्त वर्ष 2024-25 में 1.3 बिलियन डॉलर पहुंच गया और पिछले वर्ष की तुलना में इसमें 49 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी — यह आंकड़ा तेज वृद्धि का संकेत देता है। सेवा व्यापार भी 13 प्रतिशत बढ़ गया है। दो क्रिकेट राष्ट्रों का एक साथ आना, न केवल रोमांचक है, बल्कि पहले से चल रही साझेदारी को भी रेखांकित करता है।

प्रतिस्पर्धी निर्माण केंद्रों के बीच व्यापार समझौतों के विपरीत, इस साझेदारी की ताकत इसकी पूरक भूमिका में निहित है। भारत पैमाने की पेशकश करता है: 1.4 अरब लोग, एक उभरता हुआ मध्यम वर्ग और एक विश्वस्तरीय डिजिटल और सेवा अवसंरचना। न्यूजीलैंड विशेषज्ञता की पेशकश करता है: उच्च-तकनीक कृषि, सतत वानिकी और विशिष्ट निर्माण तकनीक। दोनों देशों की पूरक भूमिका ही इस साझेदारी की नींव है।

बेहतर बाजार पहुंच

एफटीए स्पष्टता और आकर्षक विशेषताओं के साथ संतुलन स्थापित करता है। भारत ने संवेदनशील उत्पादों को बाहर रखा है, जैसे डेयरी, अधिकांश पशु उत्पाद, सब्जियां, चीनी, कृत्रिम शहद, वसा और तेल, हथियार और गोला-बारूद, तांबा और एल्युमिनियम के सामान। शत-प्रतिशत भारतीय निर्यात पर शुल्क हटा दिए गये हैं, जिससे निरंतर मौजूद बाधा समाप्त हो गयी है: यह बाधा प्रमुख शुल्क लाइनों पर 10 प्रतिशत तक के शुल्क के रूप में मौजूद थी। यह प्रगति श्रम-गहन क्षेत्रों जैसे वस्त्र, परिधान, चमड़ा, सिरामिक और कालीन तथा उच्च-वृद्धि वाले वाहन और इंजीनियरिंग उद्योगों के लिए तत्काल प्रतिस्पर्धा आधारित प्रोत्साहन प्रदान करती है। भारत का वस्त्र और परिधान निर्यात, जो पहले से ही वैश्विक स्तर पर बढ़ रहा है, अब न्यूजीलैंड के बाजार में प्रवेश कर रहा है, जो लगभग 1.9 बिलियन डॉलर मूल्य के ऐसे सामानों का वार्षिक आयात करता है और शून्य-शुल्क पहुँच की सुविधा देता है। इंजीनियरिंग निर्यात, जो दुनिया भर में 110 बिलियन डॉलर से भी अधिक हो गया है, अब ऐसे बाज़ार में भी वैसी ही गति पकड़ रहा है, जो 11 बिलियन डॉलर के इंजीनियरिंग उत्पाद आयात करता है। चमड़ा, दवाएँ, समुद्री उत्पाद और प्लास्टिक—ये सभी क्षेत्र जो पहले टैरिफ़ की वजह से बाधित थे—अब आगे बढ़ने और फलने-फूलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

भारत-प्रशांत क्षेत्र में विविधीकरण और विस्तार

यह समझौता दोनों देशों को उनके पारंपरिक बाजारों से हटकर अपने व्यापार में विविधता लाने में मदद करता है। एक ओर, यह भारत को न्यूजीलैंड—जो संसाधनों से समृद्ध एक विकसित अर्थव्यवस्था है—में शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच प्रदान करता है; वहीं दूसरी ओर, न्यूजीलैंड की कंपनियों के लिए यह न केवल दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले भारतीय बाजार, जहाँ 1.46 अरब लोग रहते हैं, के द्वार खोलता है, बल्कि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था तक भी पहुंच सुनिश्चित करता है। इसके अलावा, यह न्यूजीलैंड को चीन पर अपनी निर्यात निर्भरता कम करने में मदद करता है—क्योंकि उसके कुल माल निर्यात का 28त्न से अधिक हिस्सा चीन जाता है—और साथ ही इसकी आयात आपूर्ति श्रृंखलाओं में सुदृढ़ता लाने में भी सहायक सिद्ध होता है।

आज का राशिफल

मेष राशि: आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। नौकरी कर रहे लोगों को अपनी नौकरी में उच्च अधिकारियों के द्वारा शुभ समाचार मिलेगा। मित्रों की सहायता से आपको नए-नए कांटेक्ट मिलेंगे। आप अपने व्यापार को आगे बढ़ाने में कामयाब रहेंगे। शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। परिवार का सहयोग मिलेगा।

वृष राशि: आज का दिन आपके लिए आनंदायक रहने वाला है। आपको अपनी वाणी की मधुरता को बनाए रखना है। आपके मित्र आपसे मिलने आएगा, जिनसे मिलकर पुरानी यादें ताजा होंगी। छात्र खूब मन लगाकर पढ़ाई करते हुए नजर आएंगे। जो लोग घर से दूर रहकर नौकरी कर रहे हैं, उन्हें अपने परिवार की याद आएगी। अगर आपने पहले निवेश किया हुआ है तो उसका भी पूरा लाभ मिलेगा। वकील वर्ग के लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

मिथुन राशि: आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। प्रतिदिन की दिनचर्या में सैर को शामिल करेंगे, जिससे आप अपने आप को काफी ऊर्जावान महसूस करेंगे। रिश्तेदार आपसे आर्थिक मदद मांग सकते है आप उसे निराश नहीं करेंगे। अपनी सामर्थ्य के अनुसार सहायता करेंगे। आपका ऊर्जा स्तर ऊंचा रहेगा। आप अपने रुके हुए सभी कार्यों को पूरा करने में सफल होंगे। घर से जुड़ी योजनाओं पर विचार करने की जरूरत है।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। परिवार के सभी लोग मिलकर किसी पार्टी में सम्मिलित होंगे, जहां अन्य लोगों से मेल-मिलाप होगा। किसी खास व्यक्ति से हुई मुलाकात से आपका रुका हुआ काम पूरा करायेगी। आज बच्चे स्कूल का काम पूरा करने के लिए आप से मदद ले सकते हैं।

सिंह राशि: आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपके मकान, प्लॉट, दुकान को खरीदने की इच्छा पूरी होगी। संतान को अच्छी नौकरी मिलने से माता-पिता काफी खुश नजर आएंगे। आपको काफी समय से चल रही स्वास्थ्य संबंधी समस्या से छुटकारा मिलेगा।

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। आपका धन कहां खर्च हो रहा है। इस पर आपको नजर बनाए रखने की जरूरत है, नहीं तो आने वाले समय में आपको थोड़ी परेशानी हो सकती है।

तुला राशि: आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आप किसी मनपसंद जगह पर ट्रांसफर ले सकते हैं। आपको उम्मीद से अधिक लाभ की संभावना बढ़ेगी। अगर मन में बात आपको परेशान कर रही है, तो अपने दोस्तों से इस बारे में बात करें, आपको अच्छा सलूशन मिल सकता है। आप जीवनसाथी के साथ छोटी-छोटी बातों में नोंक-झोंक करने से बचें।

वृश्चिक राशि: आज आपका दिन आनंद और उत्साह से भरपूर रहेगा। कार्यक्षेत्र में आप अपने काम में कुछ नए विचार लाएंगे। आपका सकारात्मक रवैया ही आपको नौकरी में तरक्की दिलाएगा। आपके बॉस आपको एप्रिशिएट करेंगे। आपके सगे संबंधी आपके सहयोग के लिए तत्पर दिखायी देंगे। बिजनेस के लिहाज से की गई यात्राएं आपके लिये लाभकारी होगी।

धनु राशि: आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपकी धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। आज आप किसी विशेष काम का हिस्सा बन सकते हैं। लंबे समय से फंसा हुआ धन आज आपको वापस मिल सकता है। जो लोग स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े हैं, उनके लिए आज का दिन उत्तम रहेगा। आज आप खुद पर विश्वास करेंगे और अपना पूरा ध्यान केंद्रित करके काम में लगायेंगे।

मकर राशि: आज का दिन आपके लिए ठीक रहने वाला है। यदि आप कंस्ट्रक्शन के बिजनेस जुड़े हुए हैं तो आपके के लिए लाभ के योग हैं आप अपने काम में परिवर्तन लाने का मन बना सकते हैं। दांपत्य रिश्ते में मधुरता लेन के लिए आप कुछ नया करेंगे। इस दौरान आप नेगेटिव विचारों से बचें। आज आप बिजनेस मीटिंग अटेंड करने जा सकते हैं।

कुंभ राशि: आज आपका दिन लाभदायक रहने वाला है। आज मेहनत का परिणाम आपके फेवर में होगा। समाज में आपके काम को सराहा जायेगा। शाम का समय आप अपने परिवार के साथ बिताएंगे, परिवार में हंसी ख़ुशी का माहौल बना रहेगा। अपना ध्यान ईश्वर भक्ति में लगाये मन शांत रहेगा।

मीन राशि: आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आप फाइनेंस डिपार्टमेंट या सेल्स में काम करते हैं तो आपको आपकी नॉलेज से काफी फायदा होगा। वैवाहिक जीवन में स्थिति अच्छी रहने वाली है। लेकिन समय के साथ सब ठीक हो जाएगा। रिश्तों में ईमानदारी बनाए रखें, आपके लिए अच्छा रहेगा।

(विचार-मंथन) दल बदल कानून की आड़ में दल बदल

– सनत जैन

भारत में इस समय संविधान, कानूनों और नियमों का उपयोग गैर कानूनी एवं अनैतिक तरीके से हो रहा है। संविधान, नियम और कानून का पालन कराने वाले जो लोग कुर्सियों पर विराजमान हैं, वह इन कानूनो का दुरुपयोग करने वालों का संरक्षण कर रहे हैं। जिसके कारण नियम और कानूनो को लेकर आम आदमी का विश्वास धीरे-धीरे खत्म होता चला जा रहा है। यह देश के लिए एक चिंताजनक स्थिति है। भारत में दल बदल कानून इसलिए बनाया गया था, ताकि राजनीतिक दलों में जो लोग किसी पार्टी और विचारधारा से चुनाव जीतकर आते हैं। वह दल बदल करके अपने निजी लाभ के लिए अनैतिक काम न करने पाएं। उसको रोकने 1985 में संविधान में 52वां संशोधन करके दल बदल कानून बनाया गया था। इस कानून में विभाजन, मर्जर, विलय जैसी स्थितियों को परिभाषित किया गया था। 2003 में संविधान में 91 संशोधन के जरिए पुन: संशोधन करना पड़ा। विलय को पुन: परिभाषित किया गया। नियम और कानून में संविधान में संशोधन के बाद भी दल बदल बड़े पैमाने पर होता रहा। 2014 के बाद दल बदल की घटनाएं और भी तेजी के साथ बढ़ना शुरू हो गईं। आज दल बदल कानून एक ऐसा कानून बन गया है, जिसकी आड़ में बड़े पैमाने पर दल बदल हो रहा है। राजनीति में भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी को बढ़ा दिया है। सांसदों और विधायकों के संसद और विधानसभा में अभिव्यक्ति के अधिकार को सीमित कर दिया है। निर्वाचित सांसद या विधायक किसी बिल पर सहमत नहीं हों, उसे खुलकर बहस में भाग लेने या मतदान करने की अनुमति नहीं होती है। पार्टी लाइन के विरोध में मतदान करना चाहेगा, तो उसकी सदस्यता खत्म हो जाएगी। दल बदल कानून के अंतर्गत निर्वाचित सांसदों और विधायकों की अपने मतदाताओं और अपने कर्तव्यों को लेकर अपनी राय जाहिर करने का अधिकार भी खत्म हो गया है। अब पार्टी तय करती है, सांसदों और विधायकों को पार्टी लाइन पर ही

मतदान करना होगा, अन्यथा उसकी सदस्यता चली जाएगी। जिसके कारण दल बदल कानून भारतीय लोकतंत्र और भारतीय संविधान का काला कानून बन गया है। कानून और नियम तभी तक स्वीकार्य होते हैं, जब समाज में नैतिकता होती है। यदि नागरिक, नेता, अधिकारी और जिनके कंधों पर जिम्मेदारी है, वह नैतिक और जिम्मेदार नहीं होंगे। जिस तरह से पिछले तीन-चार दशकों में नैतिकता का स्थान अब अनैतिकता ने ले लिया है। जो जीता वही सिकंदर की तर्ज पर नियम और कानूनो का दुरुपयोग शुरू हुआ है। उसके बाद स्थितियां बद से बदतर होती चली जा रही हैं। संविधान ने न्यायपालिका को सर्वोच्च स्थान पर रखा था। न्यायपालिका के पास सीधे कोई अधिकार नहीं है। कानून बनाने की विधायिका को, कार्यपालिका को यह जिम्मेदारी दी गई, जो भी नियम-कानून बनाए जाते हैं, उनके अनुसार कार्यपालिका की जिम्मेदारी तय है। संविधान ने न्यायपालिका को दोनों संवैधानिक संस्थाओं के कार्यों की समीक्षा का अधिकार दिया। नागरिकों के मौलिक अधिकारों का संरक्षण, नियम, कानून और कायदे से कार्यपालिका और विधायिका काम कर रही है, या नहीं। इसकी समीक्षा का अधिकार न्यायपालिका के पास है। न्यायपालिका के आदेशों का पालन करना कार्यपालिका और विधायिका के लिए अनिवार्य है। पिछले कुछ वर्षों में न्यायपालिका संविधान के प्रति अपनी जवाबदेही और कर्तव्यों को लेकर कमजोर होती हुई दिख रही है। न्यायपालिका में भी सरकारी दबाव, भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, जवाबदेही का अभाव स्पष्ट रूप से दिखने लगा है। जिसके कारण अब न्यायपालिका के प्रति लोगों का वह विश्वास खत्म हो रहा है। पिछले कुछ वर्षों में सरकार अपने हर निर्णय को सही ठहराती है। जब उनका विरोध होता है, तब सरकार कहती है न्यायपालिका चले जाओ। न्यायपालिका जाने पर भी वर्षों तक न्याय नहीं मिलता है। तारीख पर तारीख मिलती रहती है, जो फैसले आ रहे हैं, वह आधे अधूरे होते हैं। जिसके कारण कानून के प्रति आम आदमी को विश्वास नहीं रहा। दल बदल कानून का जिस तरह से दुरुपयोग हुआ है। आसंदी में बैठे हुए अध्यक्ष एवं सभापति जो बहुमत के आधार पर चुने जाते हैं। उन्होंने अपने अधिकारों का पार्टी के हितों के लिए दुरुपयोग किया है। सही समय पर फैसला नहीं दिया, फैसला दिया तो वह नियम और कानून के अनुसार नहीं था। जिसकी लाठी, उसकी भैंस का जो कानून हजारों लाखों वर्ष से चला आ रहा था, वही कानून अब लोकतांत्रिक व्यवस्था में भी स्थान ले रहा है। दल बदल कानून में आसंदी अपनी राजनीतिक निष्ठा के अनुसार अलग-अलग निर्णय देती हैं। कुछ इसी तरह की स्थिति हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की भी देखने को मिलने लगी है। महाराष्ट्र में जब दल बदल हुआ था, सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल के निर्णय और दल बदल को गैर संवैधानिक बताया। इसके बाद भी सरकार चलती रही। महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष के निर्णय की न्यायिक समीक्षा समय पर नहीं हुई। दल बदलू सरकार ने अपना कार्यकाल पूरा कर लिया। उसके बाद दूसरा चुनाव भी हो गया। आम आदमी पार्टी के 7 सांसदों ने राज्यसभा में आम आदमी पार्टी से इस्तीफा देकर भाजपा में चले गए है। जैसे ही उन्होंने दल बदलने का आवेदन किया। राज्यसभा के सभापति ने बिना किसी सुनवाई के उन्हें भाजपा का सांसद मान लिया। आम आदमी पार्टी की सरकार पंजाब में है, उसके विधायक हैं राष्ट्रीय स्तर की पार्टी है, राज्यसभा के सभापति ने यह देखने की जहमत नहीं उठाई, दल बदल कानून में नियमों का पालन हुआ है, या नहीं, जबकि आम आदमी पार्टी ने अपनी आपत्ति राज्यसभा सचिवालय को सौंप दी थी। वर्तमान हालात को देखते हुए यही कहा जा सकता है। संविधान, लोकतंत्र, कानून का राज, लट्ठ तंत्र के अधीन है।

बंगाल में वोटिंग से पहले बमबाजी का डर, शांतिपूर्ण चुनाव के लिए चुनाव आयोग ने एनआईए को सौंपी कमान

कोलकाता (ए.)। पश्चिम बंगाल में वोटिंग के दूसरे चरण से पहले, भारतीय चुनाव आयोग ने नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी को तैनात किया है। चुनाव अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि ऐसा यह पक्का करने के लिए किया गया है कि बदमाश वोटिंग में रुकावट डालने और राजनीतिक पार्टियों के कार्यकर्ताओं को निशाना बनाने के लिए बमों का इस्तेमाल न करें। यह कदम चुनाव वाले राज्य में देसी बम मिलने और एक छोटे धमाके की खबरों के बाद उठाया गया है। वोटिंग का पहला चरण 23 अप्रैल को हुआ था, जबकि दूसरा चरण बुधवार को होना है। चुनाव आयोग के अधिकारियों ने कहा कि आयोग वोटिंग के दिन या उसके बाद होने वाली किसी भी हिंसा को रोकने और यह पक्का करने के लिए कड़े कदम उठा रहा है कि वोटर बिना किसी डर के अपने वोट का इस्तेमाल कर सकें। 26 अप्रैल को, पुलिस ने पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24

परगना जिले के भांगर में एक व्यक्ति के घर से कम से कम 79 देसी बम बरामद किए। बताया जा रहा है कि वह व्यक्ति तृणमूल कांग्रेस का कार्यकर्ता है। पुलिस ने बताया कि रफ़ीकुल इस्लाम के घर पर तलाशी अभियान के दौरान ये विस्फोटक ज़ब्त किए गए। यह तलाशी अभियान खास खुफिया जानकारी के आधार पर चलाया गया था। बाद में केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश पर, राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने राज्य में 79 देसी बमों की बरामदगी की जांच के लिए एक मामला दर्ज किया। एनआईए के एक प्रवक्ता ने देर रात जारी एक बयान में बताया कि गृह मंत्रालय के आदेश का पालन करते हुए, आतंकवाद-रोधी एजेंसी ने रविवार को एक मामला दर्ज किया। यह मामला मूल रूप से शनिवार को कोलकाता के भांगर डिवीज़न के उत्तर काशी पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था। एजेंसी ने अब इस मामले की जांच अपने हाथ में ले ली है। प्रवक्ता ने कहा, यह मामला कोलकाता पुलिस द्वारा 79 देसी बमों और अन्य आपत्तिजनक सामग्री की बरामदगी से जुड़ा है। इन चीज़ों को एक जगह पर जमा करके रखा गया था, जिससे इंसानी जान और माल को खतरा पैदा हो गया था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गंगटोक के पालजोर स्टेडियम में सिक्किम के 50वें राज्य बनने के जश्न के समापन समारोह के दौरान 4,000 करोड़ रुपये से ज्यादा के कई डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया.

ऑपरेशन 'नन्हे फरिश्ते' के तहत कोटा स्टेशन से लापता बालक सुरक्षित रेस्क्यू

रेलवे सुरक्षा बल ने सतर्कता दिखाते हुए बालक को चाइल्डलाइन को सुपुर्द किया

कोटा (निप्र)। रेलवे सुरक्षा बल द्वारा चलाए जा रहे 'ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते' के अंतर्गत कोटा रेलवे स्टेशन पर एक सराहनीय कार्य करते हुए एक निराश्रित बालक को सुरक्षित रेस्क्यू कर उसे चाइल्डलाइन कोटा को सुपुर्द किया गया वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि दिनांक 28 अप्रैल 2026 को कोटा पोस्ट पर तैनात सहायक उप निरीक्षक हरिओम अपनी टीम के साथ स्टेशन परिसर में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान प्लेटफार्म संख्या 02 पर एक बालक संदिग्ध एवं निराश्रित अवस्था में

मिला। टीम द्वारा बालक को सुरक्षित पोस्ट पर लाकर आवश्यक पूछताछ की गई। पूछताछ में बालक ने अपना नाम मोहम्मद कमरान, उम्र 12 वर्ष, निवासी बांका, जिला बांका (बिहार) बताया। बालक ने बताया कि वह अपने मदरसे के शिक्षक के साथ आया था, लेकिन कोटा स्टेशन पर उनसे बिछड़ गया। घटना की सूचना तत्काल चाइल्डलाइन कोटा को दी गई। चाइल्डलाइन प्रतिनिधि रितेश महावर के पोस्ट पर उपस्थित होने पर विधिवत सुपुर्दगी प्रक्रिया पूर्ण करते हुए बालक को सुरक्षित उनके सुपुर्द किया गया। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों से अपील की गई है कि यात्रा के दौरान बच्चों पर विशेष ध्यान रखें तथा किसी भी संदिग्ध या निराश्रित बच्चे की सूचना तुरंत रेलवे सुरक्षा बल या स्टेशन अधिकारियों को दें, ताकि समय पर सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

कोटा मंडल के 1890 सरकारी कंप्यूटरों पर लगेगा अत्याधुनिक साइबर सुरक्षा सॉफ्टवेयर

रेलवे का डिजिटल कवच—आपकी टिकट, डेटा और सफर अब और सुरक्षित

कोटा (ए.)। अब जब आप रेलवे काउंटर से टिकट खरीदें, ऑनलाइन आरक्षण कराएं या ट्रेन की जानकारी लें — तो यह जानकर आपको संतोष होगा कि आपका डेटा और आपकी बुकिंग एक मज़बूत साइबर सुरक्षा कवच के भीतर सुरक्षित है। भारतीय रेलवे की आईटी शाखा क्रिस द्वारा स्थापित इंडियन रेलवे सिक्योरिटी ऑपरेशंस सेंटर (आईआरएसओसी) के अंतर्गत पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल के समस्त 1890 रेलनेट कनेक्शन वाले कार्यालयीन कंप्यूटरों पर अत्याधुनिक साइबर सुरक्षा एजेंट सॉफ्टवेयर स्थापित किया जा रहा है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि यह राष्ट्रीय स्तर की साइबर सुरक्षा पहल पूरे भारतीय रेलवे में एक साथ लागू की जा रही है, जिसमें कोटा मंडल पूरी तरह सम्मिलित है। यह सुरक्षा तंत्र चौबीस घंटे, सातों दिन सक्रिय रहेगा। इसके लागू हो जाने के बाद कोटा मंडल की समस्त डिजिटल सेवाएँ — यात्री टिकट आरक्षण, माल-भाड़ा प्रबंधन, कर्मचारी वेतन और परिचालन सूचनाएँ — पूर्णतः साइबर सुरक्षित हो जाएंगी।

आम यात्री को क्या फायदा?

जब रेलवे का कंप्यूटर नेटवर्क साइबर हमले से सुरक्षित रहेगा, तो इसका सीधा असर यात्रियों पर पड़ेगा। टिकट बुकिंग प्रणाली में कोई बाधा नहीं आएगी, आरक्षण चार्ट समय पर तैयार होंगे, ट्रेनों की आवाजाही की सूचनाएँ सही और समय पर मिलेंगी तथा यात्रियों का व्यक्तिगत डेटा सुरक्षित रहेगा। कुल मिलाकर रेलवे की सेवाएँ अधिक विश्वसनीय और निर्बाध बनेंगी। यह परियोजना निजी कंपनी द्वारा बहु-वर्षीय अनुबंध के तहत क्रियान्वित की जा रही है। इस तंत्र में सुरक्षा सूचना एवं घटना प्रबंधन, स्वचालित सुरक्षा प्रतिक्रिया, एंडपॉइंट सुरक्षा तथा नेटवर्क सुरक्षा जैसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियाँ शामिल हैं।

किसी भी संदिग्ध गतिविधि का तत्काल पता लगाकर स्वचालित सुरक्षात्मक कार्रवाई की जाएगी। समूचे भारतीय रेलवे में एक लाख नब्बे हजार से अधिक डिवाइसों की एकीकृत निगरानी इस प्रणाली के अंतर्गत होगी। मंडल रेल प्रबंधक अनिल कालरा ने कोटा मंडल के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि वे कार्यालयीन कंप्यूटरों पर केवल स्वीकृत एवं आधिकारिक सॉफ्टवेयर का ही उपयोग करें तथा किसी भी अज्ञात स्रोत से प्राप्त लिंक या संलग्नक न खोलें। साथ ही कर्मचारियों को विशेष रूप से सतर्क किया गया है कि यदि व्हाट्सऐप, ईमेल या किसी अनाधिकृत लिंक के माध्यम से कोई सॉफ्टवेयर इन्स्टॉल करने को कहा जाए, तो तत्काल मंडल के आईटी विभाग से सत्यापन कराएं। आधिकारिक सॉफ्टवेयर इन्स्टॉलेशन सदैव विभागीय आदेश एवं आईटी विभाग के माध्यम से ही होगी। कोटा मंडल का यह डिजिटल कवच रेलवे को और अधिक सुरक्षित, विश्वसनीय एवं यात्री-हितैषी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पांच दिवसीय हिमाचल दौरे पर शिमला पहुंचीं मुर्मु

शिमला, (आरएनएस)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु हिमाचल प्रदेश के पांचदिवसीय दौरे पर शिमला पहुंचीं, जहां छराबड़ा स्थित कल्याणी हेलीपैड पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। राज्यपाल कविंदर गुप्ता और मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने राष्ट्रपति की अगवानी की और प्रदेशवासियों की ओर से उनका स्वागत किया। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह, सांसद सुरेश कुमार कश्यप सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।शिमला के महापौर सुरिंदर चौहान, मुख्य सचिव संजय गुप्ता, पुलिस महानिदेशक अशोक तिवारी, सेना के वरिष्ठ अधिकारी तथा राज्य सरकार के अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने भी राष्ट्रपति का स्वागत किया। राष्ट्रपति अपने पांच दिवसीय प्रवास के दौरान राज्य में विभिन्न आधिकारिक कार्यक्रमों में भाग लेंगी।

सिंघम आईपीएस अजय शर्मा को हाईकोर्ट से राहत, 29 अप्रैल तक कार्रवाई पर लगी रोक

कोलकाता (ए.)। कलकत्ता हाई कोर्ट ने मंगलवार को साफ़ किया कि वह 29 अप्रैल तक, जिस दिन पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव का दूसरा चरण है, चुनाव ड्यूटी में लगे अधिकारियों के खिलाफ कोई भी आदेश जारी नहीं करेगा। यह बात जस्टिस कृष्णा राव की अदालत में एक मौखिक अर्ज़ी के दौरान कही गई। एक वकील ने अदालत से गुज़ारिश की कि वह IPS अधिकारी अजय पाल शर्मा पर रोक लगाए, जिन्हें भारत निर्वाचन आयोग ने दक्षिण 24 परगना में पुलिस पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। वकील ने आरोप लगाया कि अधिकारी आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन कर रहे हैं और बेंच से तुरंत दखल देने की मांग की। हालाँकि, जस्टिस राव ने कहा कि वह 29 अप्रैल से पहले चुनाव से जुड़ी ड्यूटी कर रहे अधिकारियों पर असर डालने वाला कोई भी आदेश जारी नहीं करेंगे। वकील ने अदालत को बताया कि औपचारिक याचिका की प्रक्रिया अभी भी चल रही है।

7 राज्यसभा सांसदों के पार्टी छोड़ने के बाद आप में हलचल बढ़ी, सभी विधायकों को जालंधर किया गया तलब

जालंधर,(आरएनएस)। पंजाब में आम आदमी पार्टी के भीतर सियासी हलचल तेज हो गई है। 7 सांसदों के पार्टी छोड़ने के बाद अब पार्टी नेतृत्व संभावित टूट को रोकने में जुट गया है। इसी कड़ी में प्रदेश प्रभारी मनीष सिसोदिया ने 29 अप्रैल को जालंधर में सभी विधायकों, ब्लॉक ऑब्जर्वर्स और फ्रंटल संगठनों के प्रमुखों की आपात बैठक बुलाई है। इस बैठक में मुख्यमंत्री भगवंत मान भी शामिल होंगे।हालांकि बैठक का आधिकारिक एजेंडा सार्वजनिक नहीं किया गया है, लेकिन माना जा रहा है कि हालिया घटनाक्रम के बाद विधायकों की नब्ज टटोली जाएगी। इससे पहले जालंधर में हुई बैठक को लेकर मीडिया में यह दावा किया गया था कि मुख्यमंत्री ने विधायकों को छोटे स्तर पर भ्रष्टाचार के आरोपों पर फटकार लगाई थी।

विशेष सत्र पर सियासत तेज, सैनी का विपक्ष पर हमला

चंडीगढ़, (आरएनएस)। हरियाणा विधानसभा के एक दिवसीय विशेष सत्र के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विपक्ष पर तीखा हमला बोला और कहा कि कांग्रेस ने महिलाओं और कर्मचारियों से जुड़े अहम मुद्दों से किनारा किया, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। सैनी ने सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में विपक्ष के उस आरोप को खारिज किया, जिसमें सत्र को असंवैधानिक बताया गया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि सत्र मंत्रिमंडल की मंजूरी और राज्यपाल की अनुमति से विधिवत बुलाया गया। आचार संहिता के बावजूद सत्र पर उठे सवालों को भी उन्होंने निराधार बताया। इस सत्र में सदन में हरियाणा लिपिक सेवा (भर्ती एवं सेवा शर्तें) विधेयक, 2026 सर्वसम्मति से पारित किया गया। इसके तहत चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की पदोन्नति प्रक्रिया को सरल बनाया गया और लिपिकीय पदों पर प्रमोशन कोटा 20 से बढ़ाकर 30 प्रतिशत कर दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष ने स्थगन प्रस्ताव तो दिया, लेकिन खुद ही सदन से अनुपस्थित रहा। उन्होंने कांग्रेस पर विधानसभा के बाहर समानांतर सत्र चलाने का आरोप लगाते हुए इसे असंवैधानिक बताया। पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा पर निशाना साधते हुए सैनी ने कहा कि विधेयक की प्रति न मिलने का बहाना बनाया गया, जबकि सारी जानकारी नेवा पोर्टल पर उपलब्ध थी।

परियोजनाओं में देरी और लागत वृद्धि पर भड़के नितिन गडकरी, गुणवत्ता से समझौता करने वाले ठेकेदारों को भी दिया सख्त संदेश

नई दिल्ली (ए.)। नई दिल्ली में आयोजित इंफ्रास्ट्रक्चर सम्मेलन और अचीवर्स अवार्ड्स 2026 में देश के बुनियादी ढांचा क्षेत्र से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर गहन चर्चा हुई। Associated Chambers of Commerce and Industry of India यानी एसोचैम द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और उन्होंने परियोजनाओं में देरी तथा बढ़ती लागत के कारणों पर स्पष्ट रूप से अपनी बात रखी। अपने संबोधन में मंत्री ने कहा कि निर्णय लेने में देरी, कमजोर योजना और जवाबदेही की कमी ही परियोजनाओं के समय पर पूरा न होने के मुख्य कारण हैं। उन्होंने यह भी बताया कि भूमि अधिग्रहण जैसी छोटी दिखने वाली समस्याएं और अनुमति मिलने में देरी भी बड़े आर्थिक नुकसान का कारण बनती हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि इन बुनियादी समस्याओं को समय रहते हल किया जाए तो परियोजनाओं की लागत और समय दोनों को नियंत्रित किया जा सकता है। गडकरी ने गुणवत्ता के मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि कई बार

ठेकेदार घटिया काम करते हैं लेकिन उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसे ठेकेदारों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए और जरूरत पड़ने पर उन्हें काली सूची में डाला जाना चाहिए। उनके अनुसार केवल काम की मात्रा बढ़ाने पर ध्यान देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि गुणवत्ता को समान महत्व देना जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि आज के समय में सोशल मीडिया के कारण किसी भी छोटी खामी को तुरंत उजागर किया जा सकता है, इसलिए पारदर्शिता और गुणवत्ता बनाए रखना पहले से अधिक जरूरी हो गया है। उन्होंने तकनीक के उपयोग पर बल देते हुए कहा कि निर्माण लागत कम करने के लिए नई तकनीकों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए, लेकिन गुणवत्ता से समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने कचरे से ऊर्जा उत्पादन, नए निर्माण सामग्री का उपयोग और नवाचार को अपनाना भविष्य के लिए आवश्यक बताया। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि पूर्णता प्राप्त करना संभव नहीं है, लेकिन निरंतर सुधार के प्रयास किए जा सकते हैं। उन्होंने सभी हितधारकों से आग्रह किया कि वह मिलकर अपने कार्यों की समीक्षा करें और सुधार के उपाय तलाशें। उनके अनुसार नीति निर्धारकों को सार्थक सुझाव देने के लिए यह प्रक्रिया लगातार चलती रहनी चाहिए। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि कार्य में कमियां हो सकती हैं, लेकिन दूसरों के सुझावों को अपनाकर सुधार संभव है। गडकरी ने एक महत्वपूर्ण समस्या की ओर भी ध्यान दिलाया कि कई बार बिना उचित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट और पर्याप्त परीक्षण के ही निविदाएं जारी कर दी जाती हैं, जिसके परिणामस्वरूप बाद में सड़कों और पुलों की गुणवत्ता प्रभावित होती है और कई बार संरचनाएं विफल भी हो जाती हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी परियोजना में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए और हर कार्य उच्चतम मानकों के अनुसार किया जाना चाहिए ताकि भविष्य में समस्याओं से बचा जा सके।

आईपीएल मैच देखकर लौट रहे दो भाइयों की दिल्ली के अशोका रोड पर एक्सीडेंट से मौत, लोडर वाहन ने बाइक को मारी टक्कर

नई दिल्ली,(आरएनएस)। दिल्ली के संसद मार्ग इलाके में देर रात आइपीएल मैच देख के घर लौट रहे दो भाइयों की सड़क हादसे के मौत हो गई। अशोका रोड पर महादेव रोड टी-पॉइंट, पीएनबी कॉम्प्लेक्स के सामने माल वाहक वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। पुलिस ने प्रत्यक्षदर्शी के बयान पर मामला दर्ज कर लिया है। हादसे के बाद फरार मालवाहक वाहन की पहचान कर ली गई है और चालक की तलाश में दबिश दी जा रही है।

राज्यसभा सांसद (सांसद) स्वाति मालीवाल नई दिल्ली में दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा की उपस्थिति में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गईं।

हथियारों की रेस में दुनिया के टॉप-5 देशों में भारत, जानिए रक्षा खर्च में पाकिस्तान हमसे कितना पीछे?

नई दिल्ली, (आरएनएस)। साल 2025 में अपनी सेनाओं को मजबूत करने और हथियारों की खरीद के मामले में भारत ने दुनिया भर में अपना दबदबा कायम किया है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, सबसे ज्यादा सैन्य खर्च करने वाले देशों की सूची में भारत पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। इस सूची में अमेरिका, चीन, रूस और जर्मनी ही भारत से आगे हैं। पिछले साल दुनिया भर में हुए कुल सैन्य खर्च में भारत की हिस्सेदारी 3.2 प्रतिशत रही है। 2025 में भारत का कुल सैन्य खर्च 92.1 अरब डॉलर रहा, जो पिछले वर्ष के मुकाबले 8.9 प्रतिशत ज्यादा है। भारत के रक्षा खर्च में हुए इस भारी इजाफे के पीछे का सबसे बड़ा कारण पिछले साल पाकिस्तान के खिलाफ चलाया गया 'ऑपरेशन सिंदूर' माना जा रहा है। इस अहम सैन्य अभियान के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों ने युद्ध की किसी भी स्थिति से निपटने और सेना को हमेशा तैयार रखने के लिए आपातकालीन आधार पर हथियारों और जरूरी साजो-सामान की बड़े पैमाने पर खरीद की थी। इसी त्वरित सैन्य तैयारी और खरीद के चलते रक्षा बजट में यह उछाल देखने को मिला है। पड़ोसी देशों की बात करें तो सिपरी के आंकड़े बताते हैं कि चीन दुनिया में दूसरा सबसे ज्यादा सैन्य खर्च करने वाला देश बना हुआ है। चीन ने अपने रक्षा बजट में 7.4 प्रतिशत की वृद्धि की है, जिससे उसका कुल खर्च 336 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। वहीं, कंगाली की कगार पर खड़े पाकिस्तान ने भी अपनी सेना पर खर्च बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। भारी आर्थिक संकट के बावजूद पाकिस्तान के सैन्य खर्च में 11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। 11.9 अरब डॉलर के खर्च के साथ पाकिस्तान इस ग्लोबल लिस्ट में भारत से कोसों दूर 31वें पायदान पर खड़ा है। सिपरी की एक अन्य रिपोर्ट यह भी बताती है कि भारत अब हथियारों के लिए केवल रूस पर निर्भर नहीं है। पिछले एक दशक में भारत ने फ्रांस, इजरायल और अमेरिका जैसे पश्चिमी देशों की ओर तेजी से रुख किया है।

मर्जी से साथ रहे, बच्चा पैदा किया, फिर ब्रेकअप पर रेप कैसे?' लिव-इन रिलेशनशिप पर एससी का तीखा सवाल

नई दिल्ली(आरएनएस)। लिव-इन रिलेशनशिप और उसमें सहमति से बने शारीरिक संबंधों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने एक बेहद अहम और बड़ी टिप्पणी की है। अदालत ने साफ कर दिया है कि अगर कोई कपल बिना शादी किए अपनी मर्जी से लंबे समय तक साथ रहता है और बाद में किसी वजह से उनके रास्ते अलग हो जाते हैं, तो इसे रेप का मामला नहीं माना जा सकता। सुप्रीम कोर्ट की एकमात्र महिला जज जस्टिस बीवी नागरत्ना की बेंच ने शादी का झांसा देकर रेप करने का आरोप लगाने वाली एक महिला की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह सख्त बात कही। इस मामले में महिला और आरोपी लंबे समय से लिव-इन में रह रहे थे और उनका एक बच्चा भी है।

'बिना शादी के साथ रहने का फैसला क्यों किया?

मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस नागरत्ना ने याचिकाकर्ता महिला से तीखा सवाल किया कि आखिर उसने शादी से पहले आरोपी के साथ रहने का फैसला क्यों किया था। जज ने यह भी स्पष्ट किया कि कोर्ट द्वारा ऐसे सवाल पूछने पर अक्सर 'विक्टिम शेमिंग' (पीड़िता को ही दोषी ठहराने) का आरोप लगा दिया जाता है, लेकिन लिव-इन रिलेशनशिप जैसे मामलों की सच्चाई और परिस्थितियों की गहराई को समझने के लिए ऐसे सवाल पूछना बेहद जरूरी हो जाता है।

जब आपके साथ माता-पिता हों तो उनसे प्यार करें : अंकिता लोखंडे

मुंबई (ए.)। हाल ही में अभिनेत्री अंकिता लोखंडे ने अपने दिवंगत पिता शशिकांत लोखंडे को याद करते हुए एक अत्यंत भावुक पोस्ट साझा की है। अंकिता के पिता शशिकांत लोखंडे का निधन लंबी बीमारी के बाद 2023 में हो गया था, जिससे अभिनेत्री और उनका परिवार गहरे सदमे में था। उन्होंने कहा है कि वह अपनी हर सांस में उन्हें याद करती हैं और माता-पिता के महत्व पर ज़ोर दिया है। अंकिता ने अक्सर अपने पिता के

साथ अपने करीबी रिश्ते को सोशल मीडिया पर साझा किया है और उनके निधन के बाद भी उन्हें लगातार याद करती रहती हैं। अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में, अंकिता ने अपने पिता के साथ की एक पुरानी और अनमोल तस्वीर साझा की है। इस तस्वीर में अभिनेत्री अपने पिता के साथ एक खुशहाल पल साझा करती दिख रही हैं, जो उनके अटूट बंधन की गवाही देती है। तस्वीर के साथ अंकिता ने एक दिल को छू लेने वाला कैप्शन लिखा, मैं हर सांस में आपको याद करती हूं। यह छोटा सा वाक्य उनके पिता के प्रति उनके गहरे प्रेम और उनकी अनुपस्थिति के दर्द को स्पष्ट रूप से व्यक्त करता है। अंकिता ने अपने प्रशंसकों और अनुयायियों के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश भी दिया, जिसमें उन्होंने माता-पिता के प्रति प्रेम और सम्मान के महत्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने आगे लिखा, जब आपके माता-पिता आपके साथ हों तो उनसे प्यार करें, वरना मेरा यकीन मानिए, बाद में आपको सिर्फ पछतावा होगा। यह शक्तिशाली संदेश उन सभी लोगों के लिए एक मार्मिक रिमाइंडर है जिनके माता-पिता अभी जीवित हैं, कि वे इस अमूल्य रिश्ते को संजोएं और बाद में किसी भी पछतावे से बचने के लिए अभी से उनके प्रति अपना प्यार और सम्मान व्यक्त करें। यह अंकिता के अपने व्यक्तिगत अनुभव से उपजा ज्ञान है, जो कई लोगों को छू सकता है। वर्क फ्रंट पर, अंकिता लोखंडे और उनके पति विक्की जैन इन दिनों एक नए और मनोरंजक रियलिटी शो लाफ्टर शेफ्स फन अनलिमिटेड के नए संस्करण में नज़र आ रहे हैं। इस शो में अर्जुन बिजलानी, करण कुंद्रा, एल्विश यादव, जन्नत जुबैर, कृष्णा अभिषेक, कश्मीरा शाह, निया शर्मा, अभिषेक कुमार और समर्थ जुरेल जैसे कई अन्य लोकप्रिय टेलीविजन कलाकार भी शामिल हैं, जो दर्शकों का खूब मनोरंजन कर रहे हैं। अंकिता और विक्की अपनी केमिस्ट्री और मजेदार पलों से दर्शकों का दिल जीत रहे हैं। अंकिता ने अभिनय के क्षेत्र में अपने करियर की शुरुआत लोकप्रिय टेलीविजन धारावाहिक पवित्र रिश्ता में अर्चना मानव देशमुख के प्रतिष्ठित रोल से की थी, जिसने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई।

खलनायक रिटर्न्स में नए रुप में दिखाई देंगे बल्लू बलराम

मुंबई (ए.)। साल 1993 की ब्लॉकबस्टर फिल्म खलनायक का अमर एंटी-हीरो किरदार बल्लू बलराम अब खलनायक रिटर्न्स में नए रूप में दर्शकों के सामने आने वाला है। अपकमिंग फिल्म की आधिकारिक घोषणा के बाद मूल फिल्म के निर्माता-निर्देशक सुभाष घई ने संजय दत्त के नए किरदार का पोस्टर साझा करते हुए अपनी अपार खुशी और उत्साह व्यक्त किया है। सुभाष घई ने अपने प्रोडक्शन हाउस मुक्ता आर्ट्स लिमिटेड की ओर से जारी बयान में लिखा, "हम सभी यह देखकर बहुत खुश हैं कि हमारे प्यारे संजू खलनायक रिटर्न्स के साथ वापस आ गए हैं। मीडिया को इसका एक जबरदस्त टीजर दिखाया गया, जिसे सबने खूब सराहा।" उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि बल्लू बलराम जैसे एक आइकोनिक किरदार को दोबारा निभाना संजय दत्त के लिए एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि दर्शक इस किरदार से बेहद भावनात्मक रूप से जुड़े हुए हैं। इसके बावजूद, उन्होंने पूरा भरोसा जताया कि संजय इस बार भी अपने गहन अभिनय और विशिष्ट अंदाज़ से सभी को प्रभावित कर देंगे और अपनी काबिलियत को एक बार फिर साबित कर देंगे। घई ने

संजय दत्त और खलनायक रिटर्न्स की पूरी टीम के लिए अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दीं, जो इस प्रोजेक्ट से जुड़ी हुई है। संजय दत्त ने शुक्रवार को खुद मुंबई में एक भव्य इवेंट के दौरान खलनायक रिटर्न्स फिल्म की आधिकारिक घोषणा की।

यह फिल्म 1993 की मूल खलनायक का सीधा सीक्वल या नया संस्करण बताई जा रही है, जो उस समय बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट साबित हुई थी। मूल फिल्म में संजय दत्त ने खलनायक बल्लू बलराम का रोल किया था, जो उस समय के सबसे चर्चित और यादगार किरदारों में से एक रहा। बल्लू बलराम का किरदार आज भी दर्शकों की यादों में ताजा है और इसे भारतीय सिनेमा के सबसे प्रतिष्ठित एंटी-हीरो में से एक माना जाता है। मूल फिल्म खलनायक उस समय की एक कल्ट क्लासिक बन गई थी, जिसमें संजय दत्त के अलावा माधुरी दीक्षित और जैकी श्रॉफ जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में थे। फिल्म के गाने और डायलॉग आज भी लोगों के बीच बेहद लोकप्रिय हैं और सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा बन चुके हैं।

इवेंट के दौरान, संजय दत्त ने बताया कि उनकी कंपनी 'थ्री डायमेंशन मोशन पिक्चर्स' और अक्षा कंबोज की 'एस्पेक्ट एंटरटेनमेंट' ने सुभाष घई की मुक्ता आर्ट्स से क्लासिक फिल्म 'खलनायक' के सीक्वल के अधिकार खरीद लिए हैं। इसी कार्यक्रम में खलनायक रिटर्न्स का एक छोटा टीजर भी जारी किया गया, जिसमें संजय दत्त अपने मशहूर किरदार 'बल्लू बलराम' के नए और दमदार अवतार में नज़र आए, जिसने उपस्थित सभी लोगों को रोमांचित कर दिया। संजय ने सुभाष घई को शुक्रिया अदा करते हुए कहा, "खलनायक का सफर बहुत लंबा रहा है।

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर वापसी के लिए तैयार शांतनु

मुंबई (ए.)। बेहद लोकप्रिय डांस-ड्रामा वेब सीरीज कैंपस बीट्स अपने छठे सीजन के साथ ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अभिनेता शांतनु माहेश्वरी धमाकेदार वापसी के लिए तैयार है। मेकर्स ने सीरीज का अत्यधिक प्रत्याशित ट्रेलर जारी कर दिया, जिसने दर्शकों के बीच उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। यह सीरीज मुंबई की एक प्रसिद्ध डांस अकादमी की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जहां युवा अपनी दोस्ती, करियर के सपने और जटिल प्रेम संबंधों के संघर्षों से जूझते हुए अपने सपनों को पूरा करने की कोशिश करते हैं। पिछले पांच सफल सीजन के बाद, इस नए सीजन में ईशान (शांतनु माहेश्वरी) और नेत्रा (श्रुति सिन्हा) की प्रेम कहानी नए और अधिक भावनात्मक मोड़ पर खड़ी नज़र आएगी, जो रिश्तों की गहराई को दर्शाएगी। 1 मिनट 48 सेकंड का यह ट्रेलर काफी इंटेंस है और इसमें इस बार रिश्तों की जटिलताएं और बढ़ती हुई भावनाएं देखने को मिल रही हैं, जो कहानी को और भी दिलचस्प बनाती हैं। ट्रेलर में दिखाया गया है कि नेत्रा अपने जीवन की नई शुरुआत सुमेर के साथ करने की कोशिश कर रही है, जो उसके अतीत से आगे बढ़ने की इच्छा को दर्शाता है। दूसरी तरफ, ईशान अभी भी अपने अतीत की यादों में कैद है और नेत्रा को वापस पाने की हर संभव कोशिश करता है, जिससे कहानी में भावनात्मक तनाव बढ़ जाता है।

वहीं, रिया की ईशान के प्रति बढ़ती भावनाएं एक तीव्र लव ट्रायंगल को जन्म दे रही हैं, जो इस सीजन का मुख्य आकर्षण बनने वाला है और दर्शकों को बांधे रखेगा। सीरीज के मुख्य अभिनेता शांतनु माहेश्वरी ने अपने किरदार ईशान के बारे में बात करते हुए कहा, डांस मेरे दिल के बहुत करीब है। कैंपस बीट्स ने मुझे पिछले कुछ सालों में अपने इस जुनून को जीने का मौका दिया है। इस सीजन में ईशान का सफर काफी भावनात्मक और आंतरिक होने वाला है। इसमें वह एक ऐसे इंसान से जुड़ता दिखेगा, जो अब उसके लिए मौजूद नहीं है। उन्होंने आगे बताया, यही कमी और असंतुलन उसकी जिंदगी को पूरी तरह बदल देता है, और वह इससे निपटने के लिए संघर्ष करता है। यह टिप्पणी ईशान के किरदार की गहराई और उसके भावनात्मक ग्राफ को दर्शाती है, जिससे दर्शकों को उसके सफर से जुड़ने में मदद मिलेगी। वहीं, अभिनेत्री श्रुति सिन्हा ने सीरीज को लेकर अपनी खुशी जाहिर करते हुए प्रतिक्रिया दी।

लुक्खे के जरिए ओटीटी की दुनिया में कदम रखेंगी पलक तिवारी

मुंबई (ए.)। जल्द ही अभिनेत्री पलक तिवारी बहुप्रतीक्षित म्यूजिकल एक्शन ड्रामा वेब सीरीज लुक्खे के जरिए ओटीटी की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए एक बड़ी खबर साझा की और बताया कि सीरीज का नया गाना जी लेंगे जल्द ही रिलीज होने वाला है, जिसने उनके प्रशंसकों के बीच उत्साह बढ़ा दिया है। यह सीरीज चंडीगढ़ के जीवंत रैप कल्चर और अपराध की अंधेरी दुनिया के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें संगीत, एक्शन और ड्रामा का रोमांचक मिश्रण देखने को मिलेगा। अभिनेत्री ने गाने की एक छोटी सी झलक इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के माध्यम से साझा की। इस वीडियो के साथ अभिनेत्री ने लिखा, प्यार और उम्मीद को थामे हुए, जी लेंगे के साथ। यह गाना रिलीज हो गया है। यह पोस्ट गाने के भावनात्मक पहलू और उसके मुख्य विषय को इंगित करती है, जो जीवन में मुश्किलों के बावजूद प्यार और आशा को बनाए रखने का संदेश देता है। टीजर को देखकर ऐसा लगता है कि यह गाना सीरीज के भावनात्मक कोर का प्रतिनिधित्व करेगा, जहाँ संघर्ष के बीच भी मानवीय रिश्तों की गर्माहट और उम्मीद की किरण मौजूद रहती है। इस गाने की खास बात यह है कि इसमें मशहूर रैपर और गायक किंग के साथ भार्ग और रुआके जैसे प्रतिभाशाली कलाकारों ने अपनी आवाज दी है।

'भूत बंगला' के 100 करोड़ कमाने पर इमोशनल हुई वामिका गब्बी, BTS फोटो शेयर कर लिखा खास नोट; सभी का जताया आभार

वामिका गब्बी इन दिनों प्रियदर्शन की फिल्म 'भूत बंगला' में नजर आ रही हैं। फिल्म में उनकी एक्टिंग के लिए उन्हें काफी सराहना मिल रही है। वहीं मूवी ने भी बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। एक्ट्रेस के करियर में ये उनकी पहली फिल्म रही, जिसने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ की कमाई की है। इसी का आभार जताने के लिए वामिका ने एक खास नोट इंस्टाग्राम पर शेयर किया।

100 करोड़ कमाने वाली वामिका की पहली फिल्म

मंगलवार को वामिका ने इंस्टाग्राम पर फिल्म 'भूत बंगला' के सेट से कुछ बीटीएस (बिहाइंड द सीन्स) तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें कास्ट और क्रू नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों के जरिए उन्होंने फिल्म की सफलता का जश्न मनाया।

उन्होंने लिखा, 'मेरी पहली 100 करोड़ की फिल्म। प्रियदर्शन, अक्षय कुमार, एकता कपूर के साथ-साथ पूरी कास्ट और क्रू की मैं दिल से आभारी हूं, जिन्होंने इस फिल्म पर भरोसा किया और अपना सब कुछ दिया। भूत बंगला जितनी हमारी है, उतनी ही आपकी भी है।

कास्ट, क्रू से लेकर दर्शकों का किया धन्यवाद

उन्होंने आगे दर्शकों का शुक्रिया अदा करते हुए लिखा, 'और दर्शकों का इसे देखने, महसूस करने और धीरे-धीरे इसेज और मुझे अपनाने के लिए धन्यवाद। यहां तक पहुंचने का हर कदम मैंने मेहनत से सीखा और महसूस किया है। यह तो बस शुरुआत हैज मैं आगे भी मेहनत करती रहूंगी, सीखती रहूंगी और आपको एंटरटेन करती रहूंगी हमेशा।'

'भूत बंगला' के बारे में

'भूत बंगला' 17 अप्रैल को रिलीज हुई थी। इसका डायरेक्शन प्रियदर्शन ने किया है। फिल्म हॉरर-कॉमेडी है। इसमें अक्षय कुमार, वामिका गब्बी, राजपाल यादव, परेश रावल, तबु, मिथिला पालकर, असरानी जैसे कलाकार शामिल हैं।

सारा अर्जुन का 9 साल पुराना वीडियो वायरल, इस एक्ट्रेस को बताया अपनी इंस्पिरेशन; कहा- 'मैं किसी की तरह नहीं'

सारा अर्जुन ने 'धुरंधर' फिल्म के साथ बॉलीवुड में बतौर लीड एक्ट्रेस डेब्यू किया। इस फिल्म में उनकी एक्टिंग के लिए लोगों ने उन्हें खूब सराहा। अब इसी बीच उनका एक पुराना वीडियो काफी वायरल हो रहा है, जिसमें वे अपनी इंस्पिरेशन के बारे में खुलासा करती नजर आ रही हैं। खास बात ये है कि ये वीडियो 9 साल पुराना है।

इन एक्ट्रेस का लिया नाम

सारा अर्जुन इस समय अपनी फिल्मों 'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' में शानदार एक्टिंग से लोगों का दिल जीतकर खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। अब उनका 9 साल पुराना एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें छोटी सी सारा से उनके रोल मॉडल के बारे में पूछा गया है।

इस वीडियो में वह आलिया भट्ट और दीपिका पादुकोण का नाम लेती हैं, लेकिन साथ ही यह भी कहती हैं कि वे सारा अर्जुन बनना चाहती हैं, किसी और जैसा नहीं।

मैं सारा अर्जुन ही बनना चाहती हूं

वायरल वीडियो में जब सारा से पूछा गया कि उनका रोल मॉडल कौन है, तो उन्होंने जवाब दिया, 'मुझे आलिया भट्ट का लुक और उनकी एक्टिंग बहुत पसंद है, और मुझे आलिया भट्ट और दीपिका पादुकोण दोनों बहुत पसंद हैं। आलिया भट्ट और दीपिका पादुकोणज लेकिन ये मेरे रोल मॉडल नहीं हैं। मैं बस उन्हें पसंद करती हूं, वे मेरी इंस्पिरेशन हैं। लेकिन अगर सच कहूं, तो मैं सारा अर्जुन ही बनना चाहती हूं। मैं कभी भी किसी और जैसा नहीं बनना चाहती।'

'धुरंधर द रिवेंज' के बारे में

'धुरंधर द रिवेंज' फिल्म में सारा अर्जुन ने यलीना जमाली का किरदार निभाया था, जो 'हमजा अली मजारी' की पत्नी होती हैं। फिल्म में रणवीर सिंह लीड रोल में थे, जिन्होंने हमजा अली मजारी का किरदार निभाया था। रणवीर सिंह और सारा अर्जुन के अलाला फिल्म में संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, राकेश बेदी और आर माधवन अहम किरदारों में हैं।

तिरुपति के पवित्र तीर्थस्थल की यात्रा पर है शमिता शेट्टी, साझा की तस्वीरें

मुंबई (ए.)। भक्ति और शांति की तलाश में अभिनेत्री शमिता शेट्टी इन दिनों तिरुपति के पवित्र तीर्थस्थल की आध्यात्मिक यात्रा पर हैं। अपने सोशल मीडिया हैंडल, इंस्टाग्राम अकाउंट पर अभिनेत्री ने पवित्र तिरुपति मंदिर से अपनी आध्यात्मिक यात्रा की कुछ बेहद खूबसूरत तस्वीरें शेयर कीं। तिरुपति में अपने शांत अनुभव की झलक को फैंस के साथ फोटो के माध्यम से शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने पोस्ट कैप्शन में लिखा, "धन्य महसूस कर रही हूं।" इन तस्वीरों में शमिता की आध्यात्मिकता और अंदरूनी शांति साफ झलक दिख रही है, जिसे फैंस काफी पसंद कर रहे हैं और उनके पोस्ट पर सकारात्मक प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। अभिनेत्री की इस पोस्ट पर उनकी बड़ी बहन और लोकप्रिय एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी ने भी तुरंत कमेंट किया, जिसमें उन्होंने अपनी छोटी बहन के लिए आशीर्वाद देते हुए लिखा, "तुम सच में धन्य हो।" तस्वीरों में, शमिता को एक खूबसूरत सूट में देखा जा सकता है, जो उनकी सादगी और शालीनता को दर्शाता है। एक तस्वीर में, वह मंदिर परिसर के अंदर एक काफी खूबसूरती और बारीकी से तराशे हुए सुनहरे खंभे के पास खड़ी नज़र आ रही हैं, जहाँ उन्होंने नीले रंग का प्रिंटेड कुर्ता पहना है, जिसके साथ उन्होंने गहरे गुलाबी रंग का दुपट्टा ओढ़ा है।

यह पारंपरिक परिधान उन्हें एक शांत और पवित्र आभा प्रदान कर रहा है, जो मंदिर के वातावरण के साथ पूरी तरह मेल खाता है। उनकी मुस्कान और शांत मुद्रा उनके आंतरिक सुख को दर्शाती है। एक और दिल को छू लेने वाले फोटो में शमिता को एक गाय को चारा खिलाते हुए देखा जा सकता है। यह गौसेवा भारतीय संस्कृति में एक पवित्र कार्य माना जाता है और शमिता का यह भावुक पल उनकी दयालुता और आध्यात्मिक झुकाव को उजागर करता है। गाय को चारा खिलाते हुए उनकी छवि अत्यंत शांत और संतोषजनक लग रही है। एक और तस्वीर में, वह शाम के चमकते और रंगीन आसमान के सामने हल्के गुलाबी रंग की साड़ी में पोज देती हुई नज़र आ रही हैं, जिससे प्राकृतिक सौंदर्य और उनकी उपस्थिति का एक मनमोहक मेल बन रहा है। यह छवि उनके शांतिपूर्ण माहौल और सकारात्मक ऊर्जा को दर्शाती है।

अन्य तस्वीरों में उन्हें पारंपरिक दक्षिण भारतीय नाश्ते - मेदू वड़ा और डोसा का आनंद लेते हुए देखा जा सकता है, जो उनकी यात्रा के एक सांस्कृतिक पहलू को उजागर करता है। इसके बाद उन्हें इस पवित्र शहर की सड़कों पर प्रकृति के बीच टहलते हुए भी देखा गया, जहाँ उन्होंने आसपास के शांत वातावरण का लुत्फ़ उठाया। इन तस्वीरों से स्पष्ट है कि शमिता अपनी इस यात्रा को पूरी तरह से अनुभव कर रही हैं, न केवल धार्मिक रूप से बल्कि स्थानीय संस्कृति और प्राकृतिक सौंदर्य के माध्यम से भी। यह ध्यान देने योग्य है कि शमिता और शिल्पा, दोनों ही बहनें पिछले कुछ महीनों से आध्यात्मिक यात्राओं पर हैं, जो उनके जीवन में बढ़ते आध्यात्मिक झुकाव को दर्शाता है। अभी कुछ हफ्ते पहले ही, शिल्पा शेट्टी ने एक शक्ति पीठ के दर्शन किए थे, और अभी वह वाराणसी में हैं, जहाँ उन्होंने अपनी आध्यात्मिक यात्रा जारी रखे हुए हैं। एक्ट्रेस को हाल ही में शहर में साड़ियों की खरीदारी करते हुए भी देखा गया था, जिसे उन्होंने 'साड़ी बिंजिंग' (साड़ियों की जमकर खरीदारी) का नाम दिया।

आईपीएल में पहले शतक के लिए विराट को करना पड़ा था आठ साल इंतजार

मुम्बई (ए.)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व कप्तान विराट कोहली आज इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं पर उन्हें भी अपना पहला शतक बनाने के लिए 8 साल का लंबा इंतजार करना पड़ा था। विराट ने शुरुआत से अभी तक के सभी आईपीएल सत्र खेले हैं। इससे उनके नाम आईपीएल में सबसे ज़्यादा रन, सबसे ज़्यादा अर्धशतक और शतक होने के साथ ही सबसे अधिक चौके भी हैं। इसके अलावा 300 से अधिक छक्के भी उनके नाम हैं हालांकि इसके बाद भी वह शुरुआती सत्रों में शतक नहीं लगा पाये थे। पहला शतक लगाने के बाद कोहली लगातार आगे बढ़ते गये हैं।

विराट अपनी को पावर हिटिंग की जगह पर पारंपरिक अंदाज में खेलने के लिए जाना जात है। उन्होंने अपने प्रदर्शन से साबित कर दिया कि टी20 प्रारुप में शतक लगाने के लिए केवल छक्कों की ही आवश्यकता नहीं, बल्कि क्रिकेट कौशल की जरुरत है। ऐसा नहीं था वहीं रन रन नहीं बना पा रहे थे। वह अंतरराष्ट्रीय और आईपीएल दोनों स्तरों पर लगातार बड़ी पारियां खेल रहे थे पर उसे शतक में नहीं बदल पा रहे थे।

उनका पहला शतक साल 2016 में आया। तब टीम का मुकाबला गुजरात लायंस से था।

आईपीएल में आज होगा मुम्बई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद में मुकाबला

मुम्बई (ए.)। आईपीएल में बुधवार को मुम्बई इंडियंस की टीम अपने घरेलू मैदान पर सनराइजर्स हैदराबाद को हराने के इरादे से उतरेगी। मुम्बई इंडियंस का प्रदर्शन इस सत्र में बेहद खराब रहा है और वह केवल 4 अंक लेकर 9 वें स्थान पर है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज अब तक प्रभाव प्रदर्शन नहीं कर पाये है। कई स्टार खिलाड़ियों के होने के बाद भी टीम में निरंतरता की कमी देखी गयी है। ऐसे में उसे जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में मिली 103 रन से मिली हार से उसका नेट रन रेट भी खराब हो गया है।टीम के चार प्रमुख खिलाड़ी कप्तान हार्दिक पंड्या और सूर्यकुमार यादव का प्रदर्शन अब तक अच्छा नहीं रहा है। तिलक वर्मा के गुजरात टाइटन्स के खिलाफ शतक लगाकर टीम को चार मैचों के बाद जीत दिलायी थी पर सीएसके से हार के कारण वह फिर पीछे खिसक गयी है। गेंदबाजी की बात करें तो उसके मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अब तक विफल रहे हैं1वह अभी तक केवल दो विकेट ही ले पाए हैं। इसके अलावा ट्रेंट बोल्ट भी अब तक विफल रहे हैं। वह एक विकेट ही ले पाये हैं। दीपक चाहर के नाम भी एक विकेट ही है। ऐसे में उसके लिए सनराइजर्स के आक्रामक बल्लेबाजों को रोकना आसान नहीं होगा।रोहित शर्मा के चोटिल होने से भी टीम को झटका लगा है। उनकी जगह शामिल दानिश मालेवार असफल रहे है। वहीं चोटिल मिचेल सैंटनर की जगह केशव महाराज को टीम में शामिल किया गया है, अब देखना है कि विल जैक्स को अंतिम एकादश में जगह मिलती है या नहीं।वहीं दूसरी और सनराइजर्स की टीम ने अब तक अच्छा प्रदर्शन करते हुए 10 अंक लेकर तीसरा स्थान हासिल किया है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज अच्छे फार्म में हैं जिससे वह जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। सनराइजर्स के पास ईशान किशन के अलावा अभिषेक शर्मा, हेनरिक क्लासेन और ट्रेविस हैड जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं। उसके बाद वानखेड़े स्टेडियम के हालातों का लाभ उठाकर बड़ा स्कोर बनाना चाहेंगे।

बांग्लादेश ने पहले टी-20 में न्यूजीलैंड को हराया, सीरीज में बनाई बढ़त

नईदिल्ली,(आरएनएस)। बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने पहले टी-20 मैच में न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम को 6 विकेट से हराते हुए सीरीज में 1-0 से बढ़त बनाई। चटगांव में खेले गए मैच में कीवी टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 182/6 का स्कोर बनाया। मेहमान टीम से कटेन क्लार्क (51) और डेन क्लीवर (51) ने अर्धशतक लगाए। जवाब में मेजबान टीम ने 18 ओवर में लक्ष्य हासिल किया। आइए मैच में बने रिकॉर्ड्स पर एक नजर डालते हैं।

टिम रॉबिन्सन (0) के जल्दी आउट होने के बाद क्लार्क और क्लीवर ने अर्धशतक लगाए। इसके बाद कप्तान निक केली ने 27 गेंदों में 39 रन की पारी खेलते हुए टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया। जवाब में बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाज सैफ हसन (17) और तंजीद हसन (20) बड़ी पारी नहीं खेल सके। इसके बाद तौहीद हृदय (51*) ने शमीम हुसैन (31*) के साथ संघर्ष करते हुए जीत दिलाई।

सलामी बल्लेबाज क्लार्क ने अपने टी-20 करियर का पहला अर्धशतक लगाया। उन्होंने 37 गेंदों में 7 चौकों और 1 छक्के की मदद से 51 रन बनाए। विकेटकीपर बल्लेबाज क्लीवर ने अपने टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का दूसरा अर्धशतक लगाया। उन्होंने 28 गेंदों पर 7 चौकों और 1 छक्के की मदद से 51 रन बनाए। क्लार्क और क्लीवर ने दूसरे विकेट के लिए 50 गेंदों में 88 रन की साझेदारी की।

ईश सोढ़ी ने अपने 4 ओवर में 40 रन देते हुए 2 विकेट लिए। उन्होंने टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में विकेटों के मामले में आदिल राशिद (163) को पीछे छोड़ा है। इस अनुभवी लेग स्पिनर ने टिम साउथी (164) की बराबरी की। सोढ़ी के नाम अब 141 मैचों में 23.02 की औसत और 8.16 की इकॉनमी रेट के साथ 164 विकेट हैं। इस प्रारूप में सोढ़ी और साउथी से ज्यादा विकेट सिर्फ राशिद खान (193) ने लिए हैं।

तौहीद हृदय ने अपने टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का कुल छठा अर्धशतक लगाया। उन्होंने 26 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। वह 27 गेंदों में 51 रन बनाकर नाबाद रहे। अपनी पारी में उन्होंने 2 चौके और 3 छक्के लगाए। उन्होंने शमीम हुसैन के साथ मिलकर 5वें विकेट के लिए 49 रन की साझेदारी की। शमीम ने 13 गेंदों में नाबाद 31 रन की पारी खेली। उन्होंने 3 चौके और 2 छक्के लगाए।

आईपीएल में बिगड़ रहा गेंद ओर बल्ले का संतुलन : रिपोर्ट

मुम्बई (ए.)। आजकल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 सत्र के मुकाबले जारी है। साल 2008 में शुरु होने के बाद से ही आईपीएल ने लगातार प्रगति करते हुए दुनिया भर में अपनी अलग पहचान बनायी है। इस लीग में दुनिया भर के क्रिकेटर खेलते हैं। यह लीग अपनी गुणवत्ता और रोमांच मुकाबलों के कारण चर्चित रही है और इस पर प्रशंसकों का भरोसा बना हुआ है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले कुछ सत्र से इस लीग में जिस प्रकार से बल्लेबाज हावी होने लगे हैं। उससे इसका संतुलन खराब हो रहा है। अब लगाता है कि यह लीग अब बल्लेबाजों का स्वर्ग बन गयी है। इसमें गेंदबाजों की भूमिका सीमित होती जा रही है। इसका कारण कई नियम है जो गेंदबाजों के खिलाफ जाते हैं। प्रायोजक बड़े स्कोर वाले मैच चाहते हैं जिससे की प्रशंसकों का उत्साह बढ़ा रहे।

इस सत्र में कई ऐसे मैच देखने को मिले हैं, जो खेल के संतुलन को पूरी तरह से बिगाड़ चुके

हैं। हाल ही में एक ही दिन में 464 गेंदों में 985 रन बने।

यहां तक कि 265 और 228 जैसे बड़े लक्ष्य भी टीमें आसानी से हासिल कर रही हैं। यह इस बात को दिखाता है कि अब कोई भी स्कोर सुरक्षित नहीं है। गेंदबाज अब सिर्फ चौके-छक्के खाने के लिए गेंद फेंकते नजर आ रहे हैं, उनकी भूमिका मैदान पर केवल औपचारिकता पूरी करने तक ही रह गयी है।

इसी कारण कई क्रिकेट विशेषज्ञ खेल को लेकर खुश नहीं है। जसपीत बुमराह, पैट कमिंस, जोश हेज़लवुड, अर्शदीप सिंह या जोफ्रा आर्चर जैसे विश्वस्तरीय गेंदबाजों को भी ऐसे चौके-छक्के पड़ रहे हैं, जैसे वे किसी स्थानीय टीम के गेंदबाज हों। अठारह गेंदों में अर्धशतक बनाना अब आम बात हो गयी है।

वहीं लीग की सफलता का आधार हमेशा बल्ले और गेंद के बीच संतलुन बना रहना माना जाता है। ऐसे में अब किकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को इस मामले को देखते हुए इसका हल निकालने पर गंभीरत से विचार करना होगा। ये देखना होगा कि गेंदबाजी और बल्लेबाजी संतुलन बना रहे अभी सभी नियम बल्लेबाजों के पक्ष में जा रहे हैं। पावरप्ले को लेकर भी फैसला लेना होगा। इसमें अभी सबसे अधिक रन बन रहे हैं।

रांची की दिव्यानी लिंडा का टीम इंडिया में चयन, एएफसी यू17 विमेंस एशियन कप के लिए चीन रवाना

नईदिल्ली,(आरएनएस)। झारखंड की राजधानी रांची की प्रतिभाशाली फुटबॉल खिलाड़ी दिव्यानी लिंडा ने बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए इतिहास रच दिया है. दिव्यानी को एएफसी यू17 वूमेन्स एशियन कप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला है.वह रांची की पहली महिला खिलाड़ी बन गई हैं, जिन्हें इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में देश के लिए खेलने का अवसर मिला है. खास बात यह है कि इस बार झारखंड से कुल चार खिलाड़ियों का चयन हुआ है, जो राज्य के लिए गर्व की बात है।

दिव्यानी लिंडा रांची जिला के कांके प्रखंड अंतर्गत चंदरा गांव की रहने वाली हैं. सीमित संसाधनों और सुविधाओं की कमी के बावजूद उन्होंने अपने जुनून और मेहनत के दम पर यह मुकाम हासिल किया है. खेल के लिए उपयुक्त मैदान और संसाधनों की कमी जैसी चुनौतियों के बावजूद उन्होंने अपने लक्ष्य से कभी समझौता नहीं किया.दिव्यानी स्टार वॉरियर्स फुटबॉल क्लब, कांके की प्रमुख खिलाड़ी हैं. इस क्लब ने उनके खेल को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. खासकर उनके कोच अनवरूल हक उर्फ बबलू का योगदान सराहनीय रहा है, जिन्होंने उनकी प्रतिभा को पहचानकर सही दिशा दी और लगातार मार्गदर्शन किया.दिव्यानी लिंडा की इस उपलब्धि से उनका परिवार, क्लब और पूरा क्षेत्र गौरवान्वित है. स्थानीय जनप्रतिनिधियों और खेल प्रेमियों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

दक्षिण अफ्रीका ने भारतीय महिला टीम को 23 रन से हराया, 4-1 से जीती सीरीज

नईदिल्ली,(आरएनएस)। दक्षिण अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को आखिरी टी-20 मुकाबले में 23 रन से हरा दिया। इसी के साथ हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली टीम 5 मैचों की सीरीज 1-4 से हार गई। सीरीज के पहले 3 मुकाबले दक्षिण अफ्रीका जीती थी। इसके बाद चौथा मैच भारतीय महिला टीम ने 14 रन से अपने नाम किया था। ऐसे में आइए मैच में बने रिकॉर्ड्स पर एक नजर डाल लेते हैं।

मैच में दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। लौरा वोल्वार्ड्ट ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 92 रन बनाए। उनके अलावा दक्षिण अफ्रीका का कोई और बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल पाया और टीम 155/6 का स्कोर बना पाई। जवाब में भारतीय टीम के लिए भारती फूलमाली (40) को छोड़कर और कोई भी खिलाड़ी बड़ी पारी नहीं खेल पाया। पूरे ओवर खेलने के बाद भारतीय टीम 132/8 रन का स्कोर ही बना पाई।वोल्वार्ड्ट ने 56 गेंदों का सामना किया और 92 रन बनाए। उनके बल्ले से 11 चौके और 2 छक्के निकले। उनकी स्ट्राइक रेट 164.29 की रही। पहले विकेट के लिए उन्होंने सुने लुस के साथ मिलकर 75 रन की साझेदारी निभाई। वोल्वार्ड्ट इस सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज रहीं।

विदेश समाचार

होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरा पुतिन के करीबी का सुपरयॉट, प्रतिबंधों का नहीं दिखा असर

बख्श, (आरएनएस)। अमेरिका और ईरान में तनाव के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य पर प्रतिबंध लगा हुआ है। इस बीच, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के एक प्रमुख सहयोगी का सुपरयॉट नॉर्ड आराम से यहां से गुजर गया है। नॉर्ड लक्जरी जहज शुक्रवार को दुबई से रवाना हुआ था। इसने शनिवार को होर्मुज जलडमरूमध्य पार किया और रविवार को मस्कट पहुंच गया। यह जहाज प्रतिबंधित रूसी अरबपति एलेक्सी मोर्दाशोव की है, जो होर्मुज पार करने वाली कुछ निजी जहाजों में से एक है।

यह लग्जरी जहाज पुतिन के करीबी रूसी अरबपति मोर्दाशोव का बताया जाता है। हालांकि, वे इसके आधिकारिक मालिक के रूप में पंजीकृत नहीं है। नॉर्ड का रिकॉर्ड बताता है यह जहाज 2022 में उनकी पत्नी के स्वामित्व वाली एक कंपनी के नाम पर पंजीकृत थी। इस 142 मीटर लंबे जहाज की अनुमानित कीमत 500 करोड़ डॉलर (करीब 4,700 करोड़ रुपये) से अधिक है। इसमें 20 स्टेटरूम, एक स्विमिंग पूल, एक हेलीपैड और एक सबमरीन मौजूद है।

यूक्रेन युद्ध के कारण अमेरिका और यूरोपीय संघ ने कई रूसी नागरिकों को प्रतिबंधित किया है, जिसमें मोर्दाशोव भी शामिल हैं। उनको पुतिन से संबंध रखने के कारण निशाना बनाया गया है। ईरान ने 28 फरवरी से होर्मुज पर प्रतिबंध लगाया है, जबकि अमेरिकी सेना ने ईरानी बंदरगाहों पर नाकेबंदी की है। इसके बावजूद, जहाज को गुजरने की अनुमति किसने दी, यह सामने नहीं आया है। अभी भी कई जहाज और टैंकर ओमान और फारस की खाड़ी में खड़े हैं।

इंडोनेशिया के बेकासी में खड़ी ट्रेन से टकराई लंबी दूरी की ट्रेन, अब तक 14 मौत

जकार्ता,(आरएनएस)। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता से सटे बेकासी में सोमवार देर रात 2 ट्रेनों की टक्कर हो गई, जिसमें 14 लोगों के मारे जाने की खबर है। सरकारी रेलवे कंपनी पीटी केरेटा एपी इंडोनेशिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बॉबी रसीदीन ने बताया कि मंगलवार सुबह तक 14 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। रसीदीन ने बताया कि कम से कम 84 लोग घायल हैं। ट्रेन के मलबे में फंसे शवों को निकालने का काम जारी है।

सोमवार रात को जकार्ता के बाहरी इलाके बेकासी तिमुर स्टेशन पर एक यात्री रुकी हुई थी। तभी एक लंबी दूरी की ट्रेन अर्गो ब्रोमो अंगग्रेक ने उसके पिछले डिब्बे में टक्कर मार दी। जिस डिब्बे में ट्रेन की टक्कर लगी, वह डिब्बा केवल महिलाओं के लिए आरक्षित था। घटना के बाद तेज धमाके की आवाज आई और चीख-पुकार मच गई। बताया जा रहा है कि अर्गो ब्रोमो अंगग्रेक ट्रेन में सवार सभी 240 यात्रियों को कोई चोट नहीं आई।

इंडोनेशिया की राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा समिति ने रेल दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद प्रभावित लाइन पर ट्रेनों का आवागमन रोक दिया गया है। बता दें कि इंडोनेशिया के पुराने रेल नेटवर्क पर दुर्घटनाएं आम बात हो गई हैं। जनवरी 2024 में, पश्चिम जावा प्रांत में दो ट्रेनों की टक्कर हो गई, जिसमें कम से कम 4 लोगों की मौत हुई थी। देश में 2019 से 2023 तक करीब 63 रेल हादसे हुए हैं।

UN में अमेरिका की तमाम कोशिशें नाकाम, 121 देशों के समर्थन से ईरान को मिला ये पद

न्यूयॉर्क (आरएनएस)। संयुक्त राष्ट्र संघ के नेतृत्व में परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) की एक महीने तक चलने वाली अहम बैठक शुरू हो गई है। लेकिन इस बैठक की शुरुआत में ही अमेरिका को एक बड़ा कूटनीतिक झटका लगा है। बैठक में 34 देशों के प्रतिनिधियों को उपाध्यक्ष चुना गया है, जिसमें ईरान ने भी अपनी जगह पक्की कर ली है। अमेरिका के भारी विरोध और एड़ी-चोटी का जोर लगाने के बावजूद ईरान को एनपीटी के भीतर उपाध्यक्ष का पद मिल गया है। आपको बता दें कि एनपीटी में एक अध्यक्ष और 34 उपाध्यक्ष हर 5 साल पर चुने जाते हैं और इस बार अध्यक्ष की कुर्सी चीन व रूस के करीबी माने जाने वाले वियतनाम को मिली है।

121 देशों के समर्थन से ईरान ने मारी बाजी

समाचार एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका ने ईरान को इस पद से दूर रखने के लिए आखिरी वक्त तक अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी, लेकिन 121 देशों के भारी समर्थन के कारण ईरान ने यह कुर्सी हासिल कर ली। इस जीत के बाद ईरान का स्पष्ट कहना है कि उसके नेता ने हमेशा से परमाणु हथियारों का विरोध किया है और अमेरिका जानबूझकर पूरी दुनिया में उनके खिलाफ सिर्फ झूठ फैलाने का काम कर रहा है।

अमेरिका ने बताया 'अपमान', कहा- खत्म हो जाएगी विश्वसनीयता

परमाणु अप्रसार संधि के अध्यक्ष हेंग वियत के अनुसार, गुट निरपेक्ष देशों ने मजबूती से ईरान का समर्थन किया। हालांकि यूएई और अमेरिका जैसे देशों ने इसका कड़ा विरोध किया, लेकिन उनकी एक न चली। ईरान की इस जीत पर अमेरिकी शस्त्र नियंत्रण और अप्रसार ब्यूरो के सहायक सचिव क्रिस्टोफर येव ने भड़कते हुए इसे एनपीटी के लिए एक बड़ा अपमान करार दिया है। येव ने कहा कि ईरान ने लंबे समय से परमाणु अप्रसार नीति की प्रतिबद्धताओं के प्रति अपनी अवमानना दिखाई है, ऐसे में उसे इस पद के लिए चुना जाना बेहद शर्मनाक और एनपीटी की विश्वसनीयता को खत्म करने वाला फैसला है।

ईरान का करारा पलटवार- अमेरिका ने ही किया है परमाणु बम का इस्तेमाल

अमेरिका की इस तिलमिलाहट पर अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी में ईरान के दूत रजा नजाफी ने भी करारा पलटवार किया है। नजाफी ने सीधे तौर पर अमेरिका की नीयत पर सवाल उठाते हुए कहा कि अमेरिका दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है, जिसने हकीकत में परमाणु हथियारों का इस्तेमाल किया है। ऐसे में उसे इस मुद्दे पर बोलने का कोई नैतिक हक नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका खुद दुनिया को उपदेश देते हुए अपने परमाणु शस्त्रागार का लगातार विस्तार करने में लगा हुआ है।

क्या है परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी)?

परमाणु अप्रसार संधि का निर्माण 1970 में शीत युद्ध के दौरान दुनिया पर मंडरा रहे परमाणु हमले के खतरे को देखते हुए किया गया था। संयुक्त राष्ट्र की देखरेख में काम करने वाले इस संगठन का मुख्य मकसद पूरी दुनिया को परमाणु तबाही से बचाना है। वर्तमान में 190 से ज्यादा देश इसके सदस्य हैं। इस संगठन के मुख्य रूप से तीन बड़े उद्देश्य हैं। पहला यह कि जिन देशों के पास परमाणु हथियार नहीं हैं, वे भविष्य में इसे हासिल करने का प्रयास नहीं करेंगे।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के विश्वविद्यालय और रिहायशी इलाकों में दागे रॉकेट, 7 की मौत

काबुल, (आरएनएस)। अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज तालिबान प्रशासन ने पाकिस्तानी सेना पर युद्धविराम उल्लंघन का आरोप लगाया है। अफगान अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को पाकिस्तान ने पूर्वी अफगान प्रांत कुनार में विश्वविद्यालय और रिहायशी इलाकों पर मोर्टार और रॉकेट दागे हैं, जिसमें कम से कम 7 लोग मारे गए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, हमलों में 75 लोग घायल हुए हैं, जिनमें कुनार विश्वविद्यालय के करीब 30 छात्र और एक प्रोफेसर भी शामिल हैं।

तालिबान के उपप्रवक्ता हमदुल्ला फितरत ने बताया कि कुनार प्रांत के असदाबाद में घरों और सैयद जमालुद्दीन अफगानी विश्वविद्यालय को निशाना बनाकर हुए हमलों में लगभग 30 छात्र, महिलाएं और बच्चे घायल हुए हैं। यह हमला अगानिस्तान की राजधानी काबुल में एक नशा मुक्ति केंद्र पर पाकिस्तानी हवाई हमले के कई हफ्तों बाद किया गया था, जिसमें 269 लोगों के मारे जाने की पुष्टि हुई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, कुनार प्रांत में लड़ाकू विमान और ड्रोन का इस्तेमाल हुआ है।

पाकिस्तान के सूचना मंत्रालय ने विश्वविद्यालय और आवासीय क्षेत्रों पर हमले की बात से इनकार करते हुए खबरों को फर्जी बताया। मंत्रालय ने एक्स पर लिखा, अफगान सरकार के आरोप झूठे हैं। जब और जहां भी पाकिस्तान अफगानिस्तान स्थित आतंकी ढांचे पर हमला करेगा, वह पहले की गई कार्रवाइयों के अनुरूप होगा, जिसकी पूरी घोषणा और जिम्मेदारी ली जाएगी।

कंगाली के बीच पाकिस्तान में महासंकट, सिर्फ 5 दिन का कच्चा तेल बचा; क्या फिर लगने वाला है लॉकडाउन?

इस्लामाबाद (आरएनएस)। वैश्विक मंचों पर खुद को बड़े 'मध्यस्थ' के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहे पाकिस्तान के सामने अब एक ऐसा खौफनाक घरेलू संकट खड़ा हो गया है, जिसने पूरे देश की नींद उड़ा दी है। पाकिस्तान के ऊर्जा और वित्त मंत्रालय की ओर से एक ऐसा डराने वाला कुबूलनामा सामने आया है, जिससे देश में भारी खलबली मच गई है। शहबाज शरीफ सरकार ने आधिकारिक तौर पर यह मान लिया है कि देश के पास अब कच्चे तेल का रिजर्व (भंडार) केवल 5 से 7 दिनों का ही बचा है। वहीं, हालात इतने बदतर हैं कि डीजल और एलपीजी जैसे अन्य ईंधनों का स्टॉक भी महज कुछ ही हफ्तों में पूरी तरह खत्म हो जाएगा।

होर्मुज स्ट्रेट बंद होने से घुटने पर आया पाकिस्तान

पाकिस्तान में अचानक उपजे इस भयानक ऊर्जा संकट के सीधे तार मध्य पूर्व में चल रहे भू-राजनीतिक तनावों और युद्ध से जुड़े हैं। ईरान और अमेरिका के बीच लगातार बढ़ते तनाव के कारण ईरान ने दुनिया के सबसे अहम समुद्री रास्तों में से एक 'होर्मुज स्ट्रेट' को व्यापारिक जहाजों के लिए लगभग पूरी तरह से बंद कर दिया है। आपको बता दें कि दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत कच्चा तेल इसी संकरे समुद्री रास्ते से होकर गुजरता है। पाकिस्तान अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए मुख्य रूप से सऊदी अरब और कुवैत जैसे खाड़ी देशों से होने वाले आयात पर ही निर्भर है। अब रास्ता बंद होने और जहाजों की भारी कमी के कारण पाकिस्तान की सप्लाई चेन पूरी तरह चरमरा गई है।

पेट्रोलियम मंत्री का खौफनाक खुलासा, पेट्रोल का रिजर्व शून्य

पाकिस्तान के केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने मौजूदा हालातों पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए देश को बुरी खबर दी है। समा टीवी के एक कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि यह युद्ध जल्द खत्म होता नहीं दिख रहा है, जिससे वैश्विक ऊर्जा बाजारों में भारी अनिश्चितता और संकट पैदा हो रहा है। मंत्री ने कार्यक्रम के दौरान सबसे चौंकाने वाला खुलासा यह किया कि पाकिस्तान के पास वर्तमान में एक दिन का भी पेट्रोल रिजर्व मौजूद नहीं है यानी पेट्रोल का स्टॉक 'जीरो' हो चुका है। इसके अलावा देश के पास केवल 5 से 7 दिनों का कच्चा तेल मौजूद है, डीजल का स्टॉक 26-28 दिन और एलपीजी का स्टॉक मुश्किल से 15 दिनों के लिए ही पर्याप्त है। हालात इतने बेकाबू हैं कि पाकिस्तान दुनिया का पहला ऐसा देश बन गया है, जिसने आधिकारिक तौर पर एयरलाइंस के लिए ईंधन की कमी की चेतावनी (N O TA M) जारी कर दी है। इसके साथ ही मंत्री ने बताया कि इतिहास में पहली बार दुबई क्रूड की कीमतें 170 डॉलर के उच्चतम स्तर को छू गई हैं।

ईंधन बचाने के लिए फिर लौटेंगे 'कोविड' वाले दिन

देश को पूरी तरह से ठप होने से बचाने और ईंधन की खपत कम करने के लिए शाहबाज शरीफ सरकार अब बेहद सख्त कदम उठाने की तैयारी कर रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पेट्रोल-डीजल को बचाने के लिए देश में एक बार फिर कोविड काल जैसे लॉकडाउन के नियम लागू किए जा सकते हैं। सड़कों पर गाड़ियों की आवाजाही कम करने के लिए कॉरपोरेट और सरकारी दफ्तरों में कर्मचारियों को 'वर्क फ्रॉम होम' (घर से काम) करने का निर्देश दिया जा सकता है। इसके अलावा स्कूलों और कॉलेजों को बंद करके शिक्षा को फिर से ऑनलाइन मोड में शिफ्ट करने की बड़ी योजना बनाई जा रही है।

स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार ही जिले के समग्र विकास का आधार है - कलेक्टर

जिले में स्वास्थ्य सेवाएं हों सुदृढ़, हर मरीज को मिले समुचित इलाज - कलेक्टर

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर बालागुरू के. ने जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में विकासखण्डवार स्वास्थ्य विभाग के कार्यक्रमों एवं योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उन्होंने निर्देश दिए कि जिले में स्वास्थ्य सेवाओं का संचालन बेहतर और प्रभावी ढंग से किया जाए, ताकि प्रत्येक बीमार व्यक्ति को समय पर और समुचित इलाज मिल सके। कलेक्टर ने विशेष रूप से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य पर जोर देते हुए कहा कि किसी भी गर्भवती महिला या शिशु की मृत्यु अत्यंत दुखद और पीड़ादायक होती है। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएं तथा समय पर उपचार सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि योजनाओं की प्रगति केवल आंकड़ों तक सीमित न रहे, बल्कि उसका प्रभाव धरातल पर भी स्पष्ट दिखाई देना चाहिए। उन्होंने बैठक में निर्देशित किया कि मां और बच्चे के पोषण में किसी प्रकार की कमी न हो। इसके लिए आंगनबाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। कलेक्टर ने कहा कि आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता नियमित रूप से गर्भवती महिलाओं और बच्चों की जांच करें तथा उनका निरंतर फॉलोअप सुनिश्चित करें। यदि किसी भी प्रकार की

स्वास्थ्य समस्या या गिरावट दिखाई दे, तो तत्काल को नजदीकी चिकित्सालय पहुंचाया जाए कलेक्टर बालागुरू के. ने फील्ड अमले को भी सख्त निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से गांवों का भ्रमण करें और जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का निरीक्षण करें। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और गुणवत्ता में सुधार लाना प्राथमिकता होनी चाहिए। कलेक्टर ने सभी चिकित्सा अधिकारियों और फील्ड स्टॉफ को निर्देशित किया कि वे आपसी समन्वय से कार्य करें और यह सुनिश्चित करें कि शासन की सभी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ समय पर पात्र हितग्राहियों तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार ही जिले के समग्र विकास का आधार है। बैठक में जानकारी दी गई कि जिले में संचालित प्रमुख स्वास्थ्य योजनाओं के अंतर्गत गर्भवती महिलाओं को नियमित जांच, टीकाकरण, पोषण आहार एवं संस्थागत प्रसव की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। जननी सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना तथा राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के माध्यम से मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने का प्रयास किया जा रहा है।

कायाकल्प योजना के तहत किया जा रहा 91 लाख की लागत से मार्केट की सड़कों का डामरीकरण

सीहोर (निप्र)। शहर के छावनी स्थित मार्केट में कायाकल्प योजना के अंतर्गत 91 लाख की लागत से डामरीकरण का कार्य किया जा रहा है। इसको लेकर नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने शहर के वार्ड क्रमांक 28 के गांधी रोड पर पहुंचकर कार्य का निरीक्षण किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में पार्षद और क्षेत्रवासी मौजूद थे। जानकारी के अनुसार शहर में करोड़ों रुपए के विकास कार्य किए जा चुके है। नगर पालिका अध्यक्ष श्री राठौर ने यहां पर मौजूद क्षेत्रवासियों से साफ-सफाई को लेकर चर्चा भी की। इस दौरान क्षेत्र के लोगों ने बताया कि रात्रि को भी शहर में नगर पालिका के अमले के द्वारा सफाई कार्य किया जाता है। नगर पालिका के इंजीनियर विजय कोली ने बताया कि शहर के छावनी स्थित मार्केट में डामरीकरण का कार्य किया जा रहा है। अब तक करीब चार लाइन में डामरीकरण कार्य पूर्ण हो चुका है। योजना के कायाकल्प योजना के अंतर्गत शहर के व्यस्ततम मार्केट में कोतवाली चौराहे से तहसील चौराहे, गांधी रोड, खजांची लाइन, बड़ा बाजार, मुकेरी लाइन और लोहर गली आदि में कार्य जारी है। बारिश से पहले मार्केट में डामरीकरण कार्य पूर्ण होना है।

जल गंगा संवर्धन अभियान से किसान हो रहे समृद्ध, खेत तालाब से बढ़ा फसल उत्पादन

सीहोर (निप्र)। प्रदेश में जल संरक्षण को जन-जन की सहभागिता से मजबूत करने के उद्देश्य से संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान अब ग्रामीण अंचलों में सकारात्मक परिवर्तन की नई पहचान बन रहा है। यह अभियान केवल जल बचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि किसानों की आजीविका को सुदृढ़ करने और खेती को समृद्ध बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सीहोर जिले में इस अभियान के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों ने अनेक किसानों को प्रगतिशील किसान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सीहोर जिले के ग्राम लसूड़िया परिहार के किसान नंदकिशोर त्यागी पहले वर्षा आधारित खेती पर निर्भर थे, जिससे समय पर सिंचाई न हो पाने के कारण फसलों की पैदावार सीमित रहती थी। संसाधनों की कमी के चलते उन्हें कई बार नुकसान का सामना भी करना पड़ता था। लेकिन जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत परिस्थितियां बदलीं। मनरेगा योजना के माध्यम से उन्होंने खेत तालाब निर्माण के लिए आवेदन किया, जिसे स्वीकृति मिलने के बाद शासन की सहायता से उनके खेत में तालाब का निर्माण हुआ। यह पहल उनके लिए एक स्थायी समाधान साबित हुई। अब यह खेत तालाब वर्षा जल को संचित कर सिंचाई की सुविधा उपलब्ध करा रहा है। परिणामस्वरूप न केवल उनकी फसल का उत्पादन बढ़ा है, बल्कि गुणवत्ता में भी सुधार आया है। जहां पहले वे सीमित खेती करते थे, वहीं अब वे बेहतर योजना के साथ अधिक क्षेत्र में खेती कर पा रहे हैं। इससे उनकी आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और वे आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हुए हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किए जा रहे ऐसे प्रयास यह दर्शाते हैं कि जल संरक्षण और किसान हित एक-दूसरे के पूरक हैं। नंदकिशोर जैसे किसानों की सफलता यह सिद्ध करती है कि जब योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन और जनसहभागिता साथ आती है, तो न केवल जल संसाधनों का संरक्षण संभव होता है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई ऊर्जा मिलती है। यह अभियान आज एक सशक्त जन आंदोलन के रूप में उभरकर किसानों के जीवन में स्थायी बदलाव ला रहा है।

कोलीपुरा में दो दिवसीय श्री नरसिंह चरित्र कथा का भव्य आयोजन

सीहोर (निप्र)। सीहोर के कोलीपुरा स्थित श्री लक्ष्मी नरसिंह मंदिर में चल रही दो दिवसीय श्री नरसिंह चरित्र कथा में ज्योतिष एवं भागवत सिंधु आचार्य पंडित हर्षित शास्त्री ने श्रद्धालुओं को भगवान नरसिंह की महिमा का विस्तृत वर्णन किया। आचार्य हर्षित शास्त्री ने बताया कि भगवान नरसिंह के प्राकट्य का मूल कारण भक्त प्रह्लाद की रक्षा और अधर्म का नाश करना था। कथा के दौरान भगवान नरसिंह के नौ रूपों का विस्तार से वर्णन किया गया तथा उनकी उपासना के महत्व पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा कि भगवान नरसिंह की पूजा करने से भय, संकट और नकारात्मक शक्तियों का नाश होता है तथा भक्त को सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। साथ ही, नरसिंह मंदिर की प्रतिष्ठा और सेवा का विशेष फल बताया गया। मंदिर में झाड़ू लगाने जैसी साधारण सेवा भी अत्यंत पुण्यदायी मानी गई है। इस संदर्भ में रेवत नामक एक कथा सुनाई गई, जिसमें रेवत ने अनजाने में खंडहर पड़े नरसिंह मंदिर में झाड़ू लगाकर सफाई की और दीपदान किया। इस सेवा से प्रसन्न होकर भगवान ने उसे अगले जन्म में राजा का पद प्रदान किया तथा अंततः उसे अपने धाम में स्थान दिया।

इछावर नगर परिषद अध्यक्ष द्वारा सरकारी स्कूल में निजी आयोजन करना नियम विरुद्ध

पद से हटाने के साथ ही हो कठोर कार्रवाई - पंकज शर्मा

सीहोर/इछावर (निप्र)। सीहोर जिले की इछावर तहसील में एक मामला सुर्खियों में है, जहां स्वयं नगर परिषद अध्यक्ष ने ही शासकीय नियमों की सरेआम धज्जियां उड़ा दीं हैं। इसे लेकर सीहोर जिला कांग्रेस प्रवक्ता पंकज शर्मा ने एक बयान जारी कर इछावर नगर परिषद अध्यक्ष पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा है और सीहोर जिले में वैसे तो रसूखदारों द्वारा नियम कायदों को तोड़ना एक शगल बन गया है, लेकिन ये मामला काफी रोचक है, जिसमें भाजपा टिकट पर पार्षद चुनाव लड़ने तथा जीतकर नगर परिषद अध्यक्ष बनने वाले देवेंद्र वर्मा भूरा मेडिकल द्वारा अपनी भतीजी की शादी में सरकार के आदेश की धज्जियां उड़ाते हुए शासकीय संदीपनी सीएम राइज विद्यालय में ही विवाह का आयोजन कर डाला, जबकि मध्यप्रदेश शासन के शिक्षा विभाग के स्पष्ट आदेश हैं कि शैक्षणिक सत्र के दौरान सरकार स्कूलों के परिसर में कोई भी निजी आयोजन किसी भी हाल में नहीं किया जाएगा, लेकिन ये सारे नियम कानून तो सिर्फ आम आदमी के लिए हैं, रसूखदार तो इन सभी नियमों से परे हैं और भाजपा सरकार में उनको सभी सरकारी आदेशों को हवा में उड़ाने की आजादी मिली हुई है, जिसकी एक बानगी ताजा मामले में देखी जा सकती है, जहां किसी और ने नहीं बल्कि नगर के प्रथम नागरिक ने ही सारे नियमों को ढ़ता बताते हुए सरकारी आदेश को खुली चुनौती दे दी।पंकज शर्मा ने इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए बताया कि नगर परिषद अध्यक्ष नगर का प्रथम नागरिक होता है, जिसके ऊपर सभी नियम कानूनों को लागू कराने की जिम्मेदारी होती है, लेकिन जब नियमों का परिपालन कराने वाला ही नियम तोड़ने पर आमादा हो, तो फिर इनका पालन कौन कराएगा, ये यक्ष प्रश्न अब सीहोर जिले की जनता के मन में उठ रहा है।

आज किया जाएगा दूध और दही से भगवान का अभिषेक

प्रभु पर विश्वास रखने वाले भक्त की भगवान हर समय करते हैं रक्षा-पंडित हर्षित शास्त्री

सीहोर। श्री शुभ नरसिंह जयंती के पावन अवसर पर पहली बार दो दिवसीय श्री नरसिंह चरितामृत का भव्य एवं दिव्य आयोजन किया गया। मंदिर परिसर में भव्य पंच कुण्डात्मक श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। बुधवार को महायज्ञ में सुबह नित्य पूजन और भगवान का दूध और दही से अभिषेक किया जाएगा। दो दिवसीय कथा के दौरान ज्योतिष एवं भागवत सिंधु आचार्य पं. हर्षित शास्त्री ने कहाकि भक्त को प्रभु पर हमेशा विश्वास बनाए रखना चाहिए। जो भक्त भगवान पर सदैव विश्वास बनाए रखता है भगवान उसकी हर पल रक्षा करते हैं।

कुबेरेश्वरधाम मुरली मनोहर मंदिर में सादगी के साथ मनाया जाएगा प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव

मंदिर के पट आज खुलेंगे, दर्शन देंगे भगवान, 10 क्विंटल हलुवे का लगाया जाएगा भोग

सीहोर (निप्र)। जिला मुख्यालय से प्रसिद्ध कुबेरेश्वरधाम पर देश-विदेश में नाम रोशन करने वाले अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के मार्गदर्शन में गत 25 अप्रैल से सादगी के साथ मंदिर परिसर में स्थित मुरली मनोहर मंदिर में लगातार पांच दिवसीय प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। मंदिर में प्रतिदिन हजारों की संख्या में आने वाले श्रद्धालु आस्था के साथ यज्ञशाला के दर्शन करने के साथ ही परिक्रमा कर रहे है। बुधवार को प्राण-प्रतिष्ठा शुभ मुहूर्त में की जाएगी और उसके पश्चात मंदिर के पट खुलेंगे और यहां पर आने वाले श्रद्धालुओं का भगवान की आलौकिक और दिव्य प्रतिमाओं के दर्शन करने का सौभाग्य मिलेगा। मंगलवार को विठलेश सेवा समिति की ओर से पंडित समीर शुक्ला, पंडित विनय मिश्रा आदि ने यज्ञ में दिव्य अनुष्ठान किया।झ विठलेश सेवा समिति के मीडिया प्रभारी मनोज दीक्षित मामा ने बताया कि कुबेरेश्वरधाम में प्रचंड गर्मी को देखते हुए श्रद्धालुओं को परेशानी और असुविधा न हो इसके लिए पंडित मिश्रा के आह्वान पर सीमित श्रद्धालुओं की उपस्थिति में सादगी और विधि-विधान से प्राण-प्रतिष्ठा का आयोजन किया गया है। मंदिर को रंगीन रोशनी और फूलों से सजाया गया है, जिससे यहां पर भक्तिपूर्ण माहौल बना हुआ है।

जिस घर में कन्या का जन्म होता है वही माता-पिता भाग्यशाली है :पं. मोहितरामजी

सीहोर (निप्र)। पुत्र के जन्म से पिता को थोड़ा ही पुण्य मिलता है किंतु जिस घर में जितनी अधिक बेटियां होती है वहां घर और पिता उतना ही भाग्यशाली होता है उक्त उद्गार ग्राम बड़ी कुलास वर्मा कृषि फार्म सीहोर पर धर्म रक्षक मंदिर जीणोद्धारक संत श्री श्री 108 पंडित दुर्गा प्रसाद जी कटारे बाबा जी के सानिध्य में चल रही शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा एवं श्री नर्मदेश्वर शिव महापुराण कथा के चतुर्थ दिवस कथा व्यास परम गौभक्त क्रांतिकारी राष्ट्रीय संत पंडित मोहितरामजी पाठक सीहोर बालों में व्यक्त किया आगे कथा में वर्णन करते हुए कहादक्ष प्रजापति की सभी पुत्रियां गुणवती थीं। फिर भी दक्ष के मन में संतोष नहीं था। वे चाहते थे उनके घर में एक ऐसी पुत्री का जन्म हो, जो सर्व शक्ति-संपन्न हो एवं सर्वविजयिनी हो। अत॰ दक्ष एक ऐसी ही पुत्री के लिए तप करने लगे। तप करते-करते अधिक दिन बीत गए, तो भगवती आद्या ने प्रकट होकर कहा, मैं तुम्हारे तप से प्रसन्न हूं। तुम किस कारण तप कर रहे हो? दक्ष ने तप करने का कारण बताया तो मां बोली मैं स्वयं पुत्री रूप में तुम्हारे यहां जन्म धारण करूंगी। मेरा नाम होगा सती।

मैं सती के रूप में जन्म लेकर अपनी लीलाओं का विस्तार करूंगी। फलतः भगवती आद्या ने सती रूप में दक्ष के यहां जन्म लिया। सती दक्ष की सभी पुत्रियों में सबसे अलौकिक थीं। सती ने बाल्यावस्था में ही कई ऐसे अलौकिक आश्चर्य चकित करने वाले कार्य कर दिखाए थे, जिन्हें देखकर स्वयं दक्ष को भी विस्मयता होती रहती थी। जब सती विवाह योग्य हो गई, तो दक्ष को उनके लिए वर की चिंता होने लगी। उन्होंने ब्रह्मा जी से इस विषय में परामर्श किया।

ब्रह्मा जी ने कहा, सती आद्या की अवतार हैं। आद्या आदि शक्ति और शिव आदि पुरुष हैं। अतः सती के विवाह के लिए शिव ही योग्य और उचित वर हैं। दक्ष ने ब्रह्मा जी की बात मानकर सती का विवाह भगवान शिव के साथ कर दिया। सती कैलाश में जाकर भगवान शिव के साथ रहने लगीं। भगवान शिव के दक्ष के दामाद थे, किंतु किसी वजह से दक्ष के हृदय में भगवान शिव के प्रति बैर और विरोध भाव पैदा हो गया। यही उसके विनाश का कारण बना हम सबको शिव की शरण ग्रहण करना चाहिए आज पंचम दिवस भगवान गणेश का जन्म महोत्सव बढ़िया आनंद के साथ मनाया जाएगा आयोजन कर्ता वर्मा परिवार एवं समस्त ग्राम एवं क्षेत्रवासियों ने कथा एवं यज्ञ में पधारकर धर्म लाभ लेने का आग्रह किया

पूर्व नपाध्यक्ष राकेश राय ने किया पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह का स्वागत

सीहोर (निप्र)। मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह एक निजी कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए सीहोर आए थे, जहां उनका पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राकेश राय ने स्वागत किया ।

विमला देवी स्मृति में अंश यादव और युरेश भारती ने खेली अर्दशतकीय पारियां

कृष्णा ब्लास्टर ने रोमांचक मैच में गणेश टायर को तीन विकेट से हराया

सीहोर। शहर के बीएसआई मैदान पर विमला देवी स्मृति में जारी क्रिकेट प्रतियोगिता में मंगलवार को एक रोमांचक मैच खेला गया। इस मैच में कृष्णा ब्लास्टर की टीम ने गणेश टायर को तीन विकेट से हराया। कृष्णा की ओर से अंश यादव ने 51 रन और युरेश भारती ने 50 रन की शानदार पारियां खेली। इस मौके पर जिला क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव अतुल तिवारी, कोषाध्यक्ष वीरु वर्मा, आयोजनकर्ता आदर्श राय, अतुल त्रिवेदी आदि ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।डीसीए के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि पहले बल्लेबाजी करने उतरी गणेश टायर की टीम ने 36.2 ओवर में दस विकेट खोकर 215 रन बनाए थे। इसमें अतुल त्रिवेदी ने 25 गेंद पर 46 रन, पूर्वेश ने 27 रन, आदित्य अग्रवाल ने 22 रन, राज कुशवाहा ने 36 रन, सहज ने 33 रन की पारी खेली। इधर कृष्णा ब्लास्टर की ओर से गेंदबाजी करते हुए अंश यादव-वरुण शुक्ला ने तीन-तीन विकेट, लक्की प्रजापति ने दो विकेट और यामनी-अंशुल ने एक-एक विकेट हासिल किया।

सायबर लुटेरों से सावधान दो लाख रुपये के लगभग की हुई लूट

पीड़ित ने जनसुनवाई में लगाई गुहार

सीहोर (निप्र)। सीहोर नगर के वार्ड क्रं. 22, इन्द्रा कॉलोनी गल्ला मण्डी निवासी कान्ता प्रसाद ने जनसुनवाई में गुहार लगाई है कि दिनांक 11 अप्रैल 2026 की सुबह मेरे मोबाईल को हेग कर लिया गया और और सुबह 11 बजे से लेकर दोपहर 12 बजे के बीच सायबर ठगों ने मोबाईल हेग कर अलग-अलग नम्बर से पैसे निकाल लिये गये। 11 तारिख की सुबह 11.07 बजे मुकुन्द मेवाड़ा नाम के व्यक्ति ने सीधे 75 हजार रुपये निकाले। इसके बाद 11.09 से 11.59 के बीच की पुनीत सैनी, बिन्दा प्रसाद, सानी कुमार, कंचन शीट और मेहताब नामक व्यक्तियों ने एक-एक एक हजार रुपये निकाले। जबकि दोपहर 12.02 बजे बादल ने 9 हजार और दिनांक 12 तारिख को 12.08 बजे सुमन नामक व्यक्ति ने 98 हजार रुपये निकाल लिए। महज एक घंटे के भीतर कुल 1 लाख 96 हजार रुपये अज्ञात साइबर अपराधियों द्वारा धोखाधड़ी से निकाल लिये गये।

पीड़ित ने बताया कि यह पैसे मेरी बेटी व बेटी की इसी साल शादी करने हेतु पाई-पाई कर जोड़ रखा था, क्योंकि दोनों की शादी होना तय हो गई थी और आखातीज को शादी करना थी, परन्तु पैसे निकल जाने के कारण प्रार्थी के समक्ष बहुत संकट आन पड़ा है। उक्त सम्बंध में प्रार्थी द्वारा सायबर ब्रांच एवं थाना कोतवाली व हेल्प लाईन नम्बर 1930 पर भी शिकायत दर्ज कराई है, परन्तु आज दिनांक तक समस्या का निराकरण नहीं हो सका है।

पूजा अर्चना के साथ महिला घाट पर भी ऑपरेशन सीवन शुरू, हनुमान फाटक धाम पर चलता रहा ऑपरेशन सीवन

15 फीट गहरे पानी में रहकर सीवन योद्धाओं ने जलकुंभी की तार फेंसिंग कर उसे एक जगह रोक दिया

सीहोर (निप्र)। केमिस्ट एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष ओम राय,गल्ला मंडी कमेटी के पूर्व अध्यक्ष हरीश राय,डॉक्टर गगन नामदेव,मध्यप्रदेश जर्नलिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रदीप वशिष्ठ एवं समाज सेवी गोपाल सोनी पहुंचे मुख्य अतिथि बनकर,किया सीवन योद्धाओं का सम्मान,सराहा सीवन पुत्र/पुत्री के काम कोदिन मंगलवार हनुमान जी का नाम लेकर सीवन पुत्र एवं पुत्री पहुंच गए महिला घाट छावनी जहां पर मां सीवन की पूजा अर्चना की गई जल का अभिषेक किया गया । फुल,जल अभिषेक,नारियल चढ़ाया गए और पूर्ण उद्धार के लिए मां सेवन से अर्जी लगाई गई , इसके पश्चात सीवन योद्धा उतर गए महिला घाट की गोद में वहीं हनुमान फाटक धाम पर मिशन ऑपरेशन सीवन लगातार जारी रहा जिसके तहत जलकुंभी को एक जगह इकट्ठा करके हेतु तार की फेंसिंग की गई ताकि हवा से वह बहकर जलकुंभी दूसरी जगह ना पहुंच पाए । इस हेतु राजकुमार सोनी की टीम ने लगभग 15 फीट से ज्यादा पानी में तैरते हुए तार फेंसिंग कीआज सुबह 11:00 बजे केमिस्ट एसोसिएशन सीहोर के जिला अध्यक्ष ओम राय,गल्ला मंडी कमेटी के पूर्व अध्यक्ष हरीश राठौर, डॉक्टर गगन नामदेव व समाज सेवी गोपाल सोनी ने सी सीवन पुत्र प्रदीप चावड़ा,मुकेश राय, वैभव

राठौर,लक्ष्मण सिंह चौकसे, सादुल डाबी, कनीराम मालवीय, जगदीश वर्मा, कैलाश चौहान, अक्षय मालवीय के साथ मिलकर मां सीवन की पूजा कीसभी मुख्य अतिथियों का सम्मान जीवन पुत्रों के द्वारा किया गया मुख्य अतिथि ओम राय ने कहा कि मेरा बचपन सीवन के तट पर बीता है और इसका मूल स्वरूप लाने का प्रयास जो सीवन ५पुत्र की टीम कर रही है वह अपने आप में गौरव की बात है, डॉ.नामदेव ने बताया कि हम सब मिलकर इस जीवन को उसका स्वरूप दिलाने के लिए संकल्पित है, हरीश राठौर में कहां की हमारे सबके लिए या गर्व की बात है कि सीवन पुत्र सीवन योद्धा लगातार सीवन नदी के लिए संघर्ष कर रहे हैं और इस संघर्ष में सभी को आगे आना चाहिए, समाजसेवी गोपाल सोनी ने कहा कि सीवन नदी नहीं है बल्कि एक आस्था का केंद्र है और जिस तरह से सीवन पुत्र की टीम सीवन उद्धार के लिए लगी है उससे उम्मीद की किरण जाग चुकी हैशाम 5॰00 बजे समाज सेवी प्रदीप वशिष्ठ पहुंचे हनुमान पाठक धाम पहुंचकर जीवन योद्धाओं का सम्मान किया उन्होंने बताया कि सीवन का जल कितना पवित्र था कि उसके जल से दाल,चावल पकाए करते थे समय के साथ तब्दील हो गई लापरवाही की भेंट चढ़ गई।

सीवन पुत्र के रूप में कनीराम मालवीय, प्रकास यादव,मुकेश राय, राजकुमार सोनी, जगदीश वर्मा, कैलाश चाव्हाण, अशोक खत्री, संजय शाक्य, अरुण चावड़ा, वैभव राठौर, शुभम चौरसिया,अखिल दास, सुरेश सिंह आदि उपस्थित रहे ।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस तलैया,भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा 09 वैशाली नगर ग्राम शेरपुर शंकर मंदिर के पास सीहोर म.प्र. से प्रकाशित।
ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com